MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 18 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-166

व्यापार समझौता जल्द

मोदी-ट्रंप की 16 महीनों बाद पहली आमने-सामने मुलाकात

पेरिस, 17 जून (एजेंसियां): फ्रांस में आयोजित जी7 समिट के इतर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। करीब 16 महीनों बाद दोनों नेताओं की यह आमने-सामने की पहली मुलाकात थी। बैठक के दौरान व्यापार, रक्षा सहयोग, पश्चिम एशिया की स्थिति और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान एक संवाददाता के सवाल पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा मैं जब तक राष्ट्रपति हूं व्हाइट हाउस में भारत का एक बहुत अच्छा दोस्त मौजूद है। मुझे पता नहीं परे-शानी कहां हो रही है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मैं और यहां मौजूद हर व्यक्ति भारत से प्यार करता है और इस व्यक्ति (पीएम मोदी) के लिए बहुत सम्मान रखता है।

व्यापार समझौता अंतिम चरण में, मोदी को बताया बेहद करीबी दोस्त

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना बेहद करीबी दोस्त और कड़ा वार्ताकार बताया। उन्होंने यह भी कहा कि वह भविष्य में भारत यात्रा की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मैं भविष्य में कभी भारत आऊंगा। जी7 सम्मेलन में हुई चर्चाओं का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी कई नेताओं के साथ सकारात्मक बातचीत हुई, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हैं।

मोदी फरिश्ते की तरह दिखते हैं, लेकिन बेहद सख्त हैं

प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए ट्रंप ने कहा, वह बहुत सख्त वार्ताकार हैं। इस व्यक्ति को देखिए। मैं आपको एक सीख देता हूं। वह बेहद आकर्षक व्यक्तित्व वाले इंसान हैं। वह एक फरिश्ते की तरह दिखते हैं, लेकिन वास्तव में जितने अच्छे दिखते हैं, उतने ही सख्त भी हैं। वह आपको चौंका देते हैं। लोग कहते हैं कि वह बहुत अच्छे इंसान हैं, लेकिन मैं कहता हूं कि वह बेहद सख्त हैं। वह मजबूत ट्रेडर हैं और भारतीय लोगों से प्यार करते हैं।

उन्होंने कहा, फ्रांस में हमारी कई शानदार बैठकें हुईं। यह जी7 है, आगे जी20 भी आने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारी बेहद अच्छी बातचीत हुई। हम व्यापार समझौतों पर काम कर रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच कई महत्व-पूर्ण चीजें हो रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री अमेरिका में बड़े स्तर पर निवेश कर रहे हैं और काफी पैसा खर्च कर रहे हैं। हम इसकी सराहना करते हैं।

भारत पर हमला हुआ तो हम मदद करेंगे: ट्रंप

भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, यह बेहद मजबूत संबंध है। अगर भारत पर हमला होता है, तो हम उसकी मदद के लिए मौजूद रहेंगे। अगर कोई इस व्यक्ति (मोदी) पर हमला करता है, तो हम साथ खड़े होंगे। अगर भारत पर हमला होता है और मोदी नेता हैं, तो हम उनकी मदद करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने रिश्तों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि वह लंबे समय से मेरे दोस्त हैं। हमारे रिश्ते हमेशा बहुत अच्छे रहे हैं और आपके साथ होना शानदार है।

मोदी ने की ट्रंप की सराहना, उठाया नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने की दिशा में ट्रंप के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने कहा, पश्चिम एशिया में शांति की दिशा में हो रही ▶8पर

राम मंदिर ट्रस्ट के दस्तावेजों ने खड़े किए कई सवाल

10 करोड़ सुरक्षा पर खर्च फिर भी हुई चोरी

अयोध्या, 17 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर की दानराशि गड़बड़ी प्रकरण की जांच के बीच ट्रस्ट के वित्तीय दस्तावेजों से कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और वित्तीय निगरानी को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। दस्तावेजों के अनुसार मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर 11 माह में करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन इसी अवधि में दान पेटियों से चोरी और दानराशि में गड़बड़ी का मामला सामने आ गया।

जानकारी के अनुसार, 21 मार्च को हुई ट्रस्ट की बैठक में एक अप्रैल 2025 से 28 फरवरी 2026 तक की आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया था। इसी विवरण में सुरक्षा मद पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का उल्लेख है। मंदिर परिसर में अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे, निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद दान पेटियों से कथित धन और आभूषणों की चोरी का मामला सामने आने के बाद अब सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी जांच में यह भी देखा जा रहा है कि सुरक्षा व्यवस्था पर हुए खर्च के अनुपात में निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी थी।

11 माह में दान से 83 करोड़ की आय, 138 करोड़ ब्याज

ट्रस्ट की बैठक में पेश रिपोर्ट के अनुसार, 11 माह के दौरान ट्रस्ट को विभिन्न माध्यमों से लगभग 83 करोड़ रुपये का दान प्राप्त हुआ। इसमें दान पेटियों से 55 करोड़ रुपये, दान काउंटरों से 18 करोड़ रुपये, ऑनलाइन माध्यम से 8 करोड़ रुपये, विदेशी श्रद्धालुओं से 78 लाख रुपये तथा अन्य स्रोतों से 1.22 लाख रुपये प्राप्त हुए। इसी अवधि में मंदिर में करोड़ों श्रद्धालुओं के दर्शन करने का उल्लेख भी दस्तावेजों में किया गया है। दान की कुल राशि और श्रद्धालुओं की संख्या को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर चर्चा हो रही है, जिसे लेकर जांच एजेंसियां उपलब्ध अभिलेखों और आंकड़ों का परीक्षण कर रही हैं। ट्रस्ट के विभिन्न बैंक खातों और निवेशों पर 11 माह में लगभग 138 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में प्राप्त हुआ।

निर्माण और व्यवस्थाओं पर हुआ बड़ा खर्च

वित्तीय विवरण के अनुसार इसी अवधि में निर्माण कार्यों पर 152 करोड़ रुपये, परकोटा और दीवार निर्माण पर 87 करोड़ रुपये, भोग-प्रसाद पर 11 करोड़ रुपये, अन्न भंडार पर आठ करोड़ रुपये, कर्मचारियों के वेतन पर 7.67 करोड़ रुपये तथा बिजली मद में 3.68 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसके अलावा यात्री सुविधा केंद्र, अस्पताल और अन्य सुविधाओं के लिए दो भूखंडों की खरीद पर 26.69 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

पूरे सिस्टम की कड़ियां जोड़ रही एसआईटी

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दान राशि में गड़बड़ी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए और चौंकाने वाले तथ्य सामने आने की चर्चा तेज होती जा रही है। ▶8पर

सरकार के फैसले से चांदी हुई फीकी

आयात शुल्क बढ़ने और लाइसेंसिंग प्रतिबंध से 81.6% गिरावट

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां): रिकॉर्डतोड़ खरीदारी के बाद भारत में चांदी के आयात पर अचानक से ब्रेक लग गया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार सरकार द्वारा इंपोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) बढ़ाए जाने और लाइसेंसिंग प्रतिबंध लागू किए जाने के कारण मई महीने में चांदी का आयात 81.6% तक गिर गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल के 411 मिलियन डॉलर के मुकाबले मई में चांदी का आयात घटकर महज 76 मिलियन डॉलर रह गया। यह भारी गिरावट सरकार की ओर से चांदी पर आयात शुल्क को 6% से बढ़ाकर सीधे 15% करने और इस धातु को प्रतिबंधित श्रेणी में डालने के कुछ ही हफ्तों बाद दर्ज की गई है।

चांदी भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाली आयात श्रेणियों में से एक बन गई थी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में चांदी का आयात 149.6% की भारी उछाल के साथ 12.05 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। जबकि उससे पिछले साल केवल 4.83 अरब डॉलर था। इसी अत्यधिक आयात को हतोत्साहित करने और अंकुश लगाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया। जीटीआरआई के अनुसार, ड्यूटी में की गई बढ़ोतरी से एक अनपेक्षित स्थिति पैदा हो गई थी। भारत-यूएई मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के कारण यूएई से आयात पर टैरिफ लाभ बढ़ गया था। इससे दोनों शुल्कों में 8 प्रतिशत अंकों का अंतर आ गया, जिससे व्यापारियों द्वारा यूएई के रास्ते भारत में चांदी भेजने की संभावना काफी बढ़ गई थी। इस लूपहोल को बंद करने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने तुरंत एक्शन लिया। 16 मई को चांदी के आयात को प्रतिबंधित श्रेणी में ट्रांसफर कर दिया गया। ▶8पर

अमेरिका-ईरान के बीच सहमति पत्र का मसौदा लीक!

ट्रंप-पेज़ेशकियान करेंगे हस्ताक्षर

वाशिंगटन/तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)। दिनों की गोपनीयता के बाद, वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बुधवार को पत्रकारों के सामने ईरान के साथ हुए सहमति पत्र के मसौदे को पढ़कर सुनाया। इस बीच, ईरान ने संकेत दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ इस ऐतिहासिक समझौते पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान हस्ताक्षर कर सकते हैं।

यदि ऐसा होता है, तो यह दोनों देशों के लिए एक बहुत बड़ा कदम होगा, जिनके राजनयिक संबंध 1980 में तेहरान में अमेरिकी दूतावास के बंधक संकट के बाद टूट गए थे। शुक्रवार को होने वाले औपचारिक हस्ताक्षर समारोह से पहले, अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर इस मसौदे को पढ़ा, जिसे ईरान ने अब तक जारी नहीं किया है।

अधिकारियों के अनुसार, समझौते के मसौदे में ईरान के अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को कम करने के लिए एक नया न्यूनतम मानक शामिल है। इसके अलावा, इसमें लेबनान की धरती पर हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल के हालिया हमलों के बाद लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने के प्रावधान भी शामिल हैं।

इसके बदले में, समझौता लागू होते ही अमेरिका ईरान के खिलाफ लगे कुछ व्यापक प्रतिबंधों को हटाने के बजाय उन्हें अस्थायी रूप से स्थगित कर देगा। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी मसौदे के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से केवल 60 दिनों के लिए टैक्स-फ्री आवाजाही सुरक्षित की गई है, और भविष्य में इस पर शुल्क लगाने की संभावना को खारिज नहीं किया गया है।

इसी बीच, ईरान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ईरानी सरकारी टेलीविजन पर दोनों राष्ट्रपतियों द्वारा इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना की बात कही। पेज़ेशकियान पश्चिम के साथ बेहतर संबंधों के वादे पर राष्ट्रपति बने थे। हालांकि, जनवरी में प्रदर्शनकारियों की सामूहिक हत्याओं और युद्ध के बाद कट्टरपंथियों द्वारा देश की सत्ता पर नियंत्रण बढ़ाए जाने के कारण वे महीनों से हाशिए पर चल रहे हैं।

हस्ताक्षर योजनाओं पर ट्रंप का संशय और अमेरिकी रियायतों पर उठते सवाल

डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात पर कुछ अनिश्चितता जताई है कि क्या हस्ताक्षर समारोह योजना के अनुसार ही होगा। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें समारोह होने का कितना भरोसा है, तो ट्रंप ने समझौतों की अप्रत्याशितता पर टिप्पणी करते हुए कहा, सौदा करने में आप कभी कुछ नहीं कह सकते, है ना? लेकिन आपको बहुत जल्द पता चल जाएगा।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को आंशिक रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए युद्ध शुरू किया था कि ईरान कभी परमाणु हथियार न बना सके, हालांकि इस संघर्ष में ट्रंप के लक्ष्य बार-बार बदलते रहे हैं। यह अंतरिम समझौता उस मुख्य उद्देश्य को हासिल किए बिना ही युद्ध को रोक देता है। इसके बजाय, यह परमाणु वार्ता के लिए दो महीने का समय देता है और ऐसा प्रतीत होता है कि यह ईरान को बदले में बहुत कम देने के बावजूद शुरुआत में ही कई लाभ प्रदान करता है।

ईरान को तुरंत स्वतंत्र रूप से तेल बेचने की अनुमति देने और अंततः सभी प्रतिबंधों को हटाने की अमेरिकी सहमति बड़ी रियायतें हैं, ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 27^0

उद्धव की पार्टी फिर टूटी!

6 सांसद बागी, राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गाली

नई दिल्ली/मुंबई, 17 जून (एजेंसियां): महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूटीबी) के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, छह सांसदों ने बुधवार सुबह 9:30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। हालांकि, अभी स्पीकर या बागी गुट की तरफ इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

बागी सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। संजय ने बुधवार सुबह ही पार्टी छोड़ने की खबरों को खारिज किया था। इस बीच दिल्ली में राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बागी सांसदों को गाली दी। राउत ने कहा- ये साले ... के। ये बेईमान लोग हैं। बेईमानी उनके खून में हैं। राउत ने बाद में सफाई देते हुए कहा- मराठी में ऐसे शब्द आम बोलचाल का हिस्सा हैं। शिवसेना में चार साल में यह दूसरी बड़ी टूट है। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने बगावत ▶8पर

सपा के 25-26 सांसद पाला बदलने को तैयार: मौर्य

कानपुर/लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां): उत्तर प्रदेश की सियासत में सपा में कथित टूट को लेकर घमासान मचा हुआ है। राज्य सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर के दावे के बाद अब उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी कानपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के 25 से 26 सांसद वर्तमान में पाला बदलने और पार्टी तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार बैठे हैं। उन्होंने टीएमसी और शिवसेना में हुई टूट का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा सपा में दरार की बातें कही जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भाजपा फिलहाल उनकी पार्टी को खुद नहीं तोड़ रही है, बल्कि साल 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव तक ये नेता अपने आप ही टूटकर चले जाएंगे। इस सियासी घमासान के बीच राम मंदिर मामले पर भी बयानबाजी हुई है। ▶8पर

पाकिस्तान में पीरियड टैक्स हटा

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां): पाकिस्तान सरकार ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसका असर सीधे करोड़ों महिलाओं की जिंदगी पर पड़ सकता है। वहां एक मंत्री ने इसका ऐलान किया है। इस टैक्स की वजह से पाकिस्तान की करोड़ों महिलाएं पीरियड जैसे संवेदनशील समय में सैनिटरी पैड की कीमत ज्यादा होने की वजह से इसका इस्तेमाल नहीं कर पाती हैं।

यूनिसेफ के मुताबिक पाकिस्तान में सिर्फ 12% महिलाएं ही बाजार में मिलने वाले सैनिटरी पैड का इस्तेमाल कर पाती हैं और बाकी ज्यादातर महिलाएं कपड़े या घरेलू विकल्पों के सहारे रहती हैं। ऐसे हालात यहां लागू पीरियड टैक्स की वजह से हैं। ऐसे में इस टैक्स को हटाने का फैसला बड़ी राहत दे सकता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर पीरियड टैक्स क्या है और इसके हटने से क्या वास्तव में हालात बदल जाएंगे?

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने घोषणा की है कि सैनिटरी पैड और महिलाओं के मासिक धर्म से जुड़े जरूरी उत्पादों पर लगने वाला सेल्स टैक्स हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये उत्पाद महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और सामाजिक जीवन में भागीदारी के लिए जरूरी हैं, इसलिए इन्हें लग्जरी आइटम की तरह टैक्स के दायरे में नहीं रखा जाना चाहिए। इस फैसले का महिला अधिकार संगठनों और पीरियड हेल्थ पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया है। ▶8पर

बांग्लादेश में रैपिड एक्शन बटालियन को खत्म करने की तैयारी

ढाका

बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) को खत्म करने जा रही है। गृह मंत्रालय के मसौदे के अनुसार, आरएबी के स्थान पर नए बल का गठन किया जाएगा। महत्वपूर्ण यह है कि 2004 में गठित रैपिड एक्शन बटालियन देश का विशिष्ट अर्धसैनिक बल है।

इसके पास मुख्य रूप से बांग्लादेश में आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने, उग्रवाद को कुचलने और संगठित आपराधिक गतिविधियों को रोकने का जिम्मा है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रक्रिया से संबंधित सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित ढांचे के तहत नया बल आरएबी के कर्मचारियों, संपत्तियों और चल रहे अभियानों की जिम्मेदारी संभालेगा। नए बल का नाम स्पेशल रिस्पान्स बटालियन (एसआरबी) या पीपल्स प्रोटेक्शन फोर्सेज (पीपीएफ) दोनों में से एक हो सकता है। गृह मंत्रालय के अनुसार, इसके लिए नया कानून लाकर आरएबी को खत्म कर इसका पूरा ढांचा नए बल में समाहित कर दिया जाएगा।

गृह मंत्रालय के मसौदे की प्रस्तावना में कहा गया है कि नए बल में समाहित किए जाने वाले आरएबी के कर्मचारियों और अधिकारियों की सेवा शर्तें जस का तस रहेंगी। नए कानून का मकसद बांग्लादेश पुलिस के तहत एक खास सहायक फोर्स बनाकर अंदरूनी सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत और आरएबी को खत्म करना है। नए बल के सदस्यों के पास किसी जगह में घुसने, तलाशी लेने, संदिग्धों को हिरासत में लेने और गिरफ्तार करने का अधिकार होगा। लेकिन इसकी लिखित सूचना संबंधित थानों को देनी होगी।

आरएबी पर मानवाधिकार उल्लंघन के संगीन आरोप हैं। यूनाइटेड स्टेट्स ने 2021 में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के लिए बल के सात मौजूदा और पुराने अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया था। जुलाई में हुए बड़े विद्रोह के बाद जबरन गायब किए गए लोगों की जांच लिए गठित आयोग भी इस बल को खत्म करने की सिफारिश कर चुका है। अधिकारियों का कहना है कि प्रस्तावित सुधार का मकसद सिर्फ बल का नाम बदलना नहीं है, बल्कि एक ज्यादा जवाबदेह और अधिकारों के प्रति संवेदनशील स्पेशल यूनिट बनाना है।

ह्यूमन राइट्स एंड पीस फार बांग्लादेश के अध्यक्ष एडवोकेट मंजिल मुर्शिद ने कहा कि बल का नाम बदलने से अधिक जरूरी है जवाबदेही पक्का करना। उन्होंने कहा कि आरएबी में अनुभवी लोग हैं। बल में आपरेशनल क्षमता है। सुधारों का फोकस गलत काम करने वालों को सजा दिलाने के साथ-साथ निगरानी को मजबूत करने पर होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

80 साल के हो गए ट्रम्प, फिर भी दुनिया के 16 नेताओं से हैं छोटे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 16 जून को अपना 80वां जन्मदिन मनाया और इसके साथ ही वे

पद पर रहकर 80 वर्ष की आयु पूरी करने वाले अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति बने। ट्रंप से पहले जो बाइडेन नवंबर 2022 में राष्ट्रपति रहते हुए 80 साल के हुए थे। हालांकि ट्रम्प दुनिया के सबसे उम्रदराज नेताओं में शामिल हैं, लेकिन वे अभी भी कई वैश्विक नेताओं से कम उम्र के हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के 186 देशों के राष्ट्रीय नेताओं में 16 इसतरह के नेता हैं जिनकी उम्र ट्रम्प से अधिक है। इस आधार पर ट्रम्प दुनिया के करीब 91 प्रतिशत राष्ट्रीय नेताओं से अधिक उम्र के माने जाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि वर्तमान वैश्विक नेताओं की औसत आयु करीब 63 वर्ष है, जबकि ट्रम्प इस औसत से काफी ऊपर हैं। बात दें कि दुनिया के सबसे उम्रदराज मौजूदा राष्ट्रीय नेता कैमरून के राष्ट्रपति पाल बिया हैं, जिनकी आयु 93 वर्ष है। वे 1982 से सत्ता में बने हुए हैं। दूसरे स्थान पर सऊदी अरब के राजा सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद हैं, जिनकी उम्र 90 वर्ष है और वे 2015 से शासन कर रहे हैं। यानी सऊदी शासक ट्रम्प से करीब 10 वर्ष बड़े हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया के सबसे बुजुर्ग नेताओं में बड़ी संख्या अफ्रीकी देशों की है। इसमें युगांडा, इक्वेटोरियल गिनी, मलावी, आइवरी कोस्ट, जिम्बाब्वे और रिपब्लिक आफ कांगो के नेता शामिल हैं। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी 82 वर्ष के हैं और लगभग चार दशकों से सत्ता में हैं, जबकि इक्वेटोरियल गिनी के राष्ट्रपति तेओदोरो ओबियांग न्गुएमा म्बासोगो 1979 से शासन कर रहे हैं। रिपोर्ट ने एक और महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है।

खतरनाक कछुआ तैरता हुआ देखा गया वेल्स की नदी में, मचा हडकंप

वेल्स। ब्रिटेन के वेल्स शहर में स्थित एक बेहद खूबसूरत पिकनिक स्पाट पेनलेरगेयर वैली वुड्स के

जंगल के बीच बहने वाली एक शांत नदी में अचानक स्नैपिंग टर्टल प्रजाति का एक अत्यंत आक्रामक और खतरनाक कछुआ तैरता हुआ देखा गया, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन के बीच भारी हड़कंप मच गया। डायनासोर के जमाने जैसा दिखने वाले इस रेंगने वाले जीव को देखकर लोगों में इस कदर खौफ फैल गया कि अधिकारियों को तुरंत एक इमरजेंसी सेफ्टी अलर्ट जारी करना पड़ा। प्रशासन ने स्थानीय तैराकों और अपने पालतू कुत्तों को यहां टहलाने वाले लोगों को पानी से पूरी तरह दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। अधिकारियों के मुताबिक, करीब 35 सेंटीमीटर लंबा और तीन से चार साल पुराना यह कछुआ इंसानों और जानवरों को बेहद गंभीर चोट पहुंचाने में पूरी तरह सक्षम था। यह लगभग एक किलो वजनी खतरनाक कछुआ, अपने नुकीले जबड़ों के लिए कुख्यात है, और इसे वन्यजीव विभाग की टीम ने एक कड़े और सूझबूझ भरे आपरेशन के बाद आखिरकार सुरक्षित रूप से पकड़ लिया है। इस कछुए का नाम अब शीला रखा गया है। रेस्क्यू किए जाने के बाद इस शिकारी कछुए को करीब 220 मील दूर केंट शहर में स्थित नेशनल सेंटर फार रेप्टाइल वेलफेयर भेजा गया है, जहां डाक्टरों ने उसकी सेहत को बिल्कुल दुरुस्त बताया है। जीव विज्ञानियों के अनुसार, स्नैपिंग टर्टल मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य अमेरिका के मूल निवासी होते हैं, जिसका सीधा मतलब यह है कि ब्रिटेन की इस नदी में यह कछुआ खुद से नहीं आया, बल्कि इसे किसी लापरवाह मालिक ने गैर-कानूनी तरीके से यहां लाकर लावारिस छोड़ दिया था, जो कि एक आपराधिक कृत्य है। इस प्रजाति के कछुए अपने छुरे जैसी धारदार और चोंच जैसे मजबूत जबड़ों के लिए पूरी दुनिया में कुख्यात हैं, जिसका एक वार इंसान को हमेशा के लिए अपाहिज बना सकता है। रेप्टाइल सेंटर के डायरेक्टर क्रिस न्यूमैन ने इस जीव की ताकत का उदाहरण देते हुए बताया कि इस कछुए के काटने का बल बिल्कुल वैसा ही है जैसे आप अपना हाथ कार के दरवाजे के बीच में रख दें और कोई उस दरवाजे को पूरी ताकत से बंद कर दे।

नेपाल के अनमोल गांव:स्विट्जरलैंड सा सौंदर्य, कम बजट में

काठमांडू। विदेश यात्रा का सपना देखकर अक्सर मन में स्विट्जरलैंड, फ्रांस या इटली जैसे देशों की तस्वीरें उभरती हैं, लेकिन भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भी इसतरह के कई खूबसूरत गांव मौजूद हैं जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और विहंगम हिमालयी दृश्यों के मामले में किसी भी प्रसिद्ध यूरोपीय पर्यटन स्थल को टक्कर दे सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि नेपाल की यात्रा बेहद कम खर्च में पूरी की जा सकती है, जिससे यह परिवार के साथ विदेश घूमने के लिए एक शानदार और किफायती विकल्प बन जाता है। ऊंचे हिमालय की चोटियां, हरे-भरे पहाड़, पारंपरिक घर, सदियों पुरानी बौद्ध संस्कृति और मनमोहक घाटियां नेपाल के ग्रामीण इलाकों की पहचान हैं। यहां का हर गांव अपनी एक अलग कहानी कहता है और पर्यटकों को आधुनिक जीवन की आपाधापी से दूर प्रकृति तथा संस्कृति के करीब ले आता है। यहां के शांत वातावरण और स्थानीय आतिथ्य में अनूठी शांति मिलती है। इन खूबसूरत गांवों में से एक है चिसापानी, जहां से सूर्योदय और सूर्यास्त के अद्भुत नजारे देखे जा सकते हैं, जो वीकेंड ट्रिप और छोटे ट्रेक के लिए आदर्श बनाते हैं। वहीं, ऐतिहासिक बंदीपुर अपनी नेवारी संस्कृति और पारंपरिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, जिसकी पत्थरों से बनी गलियां और पुराने घर पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

नई वैश्विक जंग का बड़ा कारण बन सकता है एआई हथियार, क्लाड का दूसरे देश नहीं कर पाएंगे उपयोग

वाशिंगटन

दुनिया में तकनीकी वर्चस्व की नई प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इस दौड़ का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बनकर उभरा है। इसी बीच अमेरिका ने अपनी प्रमुख एआई कंपनी ऐंथ्रापिक को निर्देश दिया है कि वह अपने कुछ अत्याधुनिक एआई माडल विदेशी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध न कराए। इस कदम को वैश्विक एआई प्रतिस्पर्धा में रणनीतिक बढ़त बनाए रखने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। ऐंथ्रापिक का एआई माडल क्लाड दुनिया भर में लोकप्रिय है, लेकिन चर्चा उसके अधिक उन्नत माडलों मिथास और फेबल 5 को लेकर हो रही है। बताया जाता है कि मिथास कंप्यूटर सिस्टम की कमजोरियों की पहचान करने में अत्यधिक सक्षम था और संवेदनशील नेटवर्क तक पहुंच बनाने की क्षमता रखता था। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए बाद के माडलों में अतिरिक्त सुरक्षा प्रतिबंध जोड़े गए।

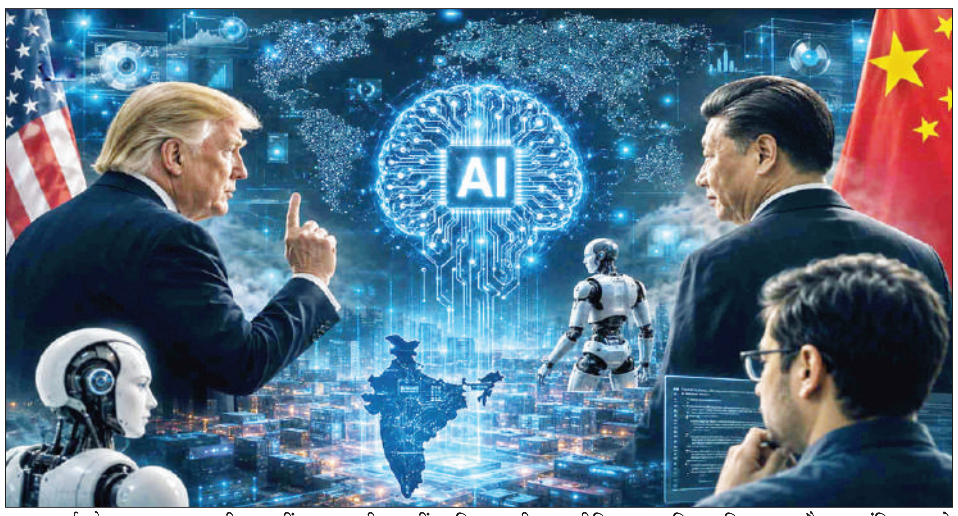

एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक शक्ति का आधार बन चुका है। यह तकनीक कंप्यूटरों को इंसानों की तरह सीखने और काम करने में सक्षम बना रही है। मेडिकल रिपोर्ट का विश्लेषण करने से लेकर साफ्टवेयर कोड लिखने, वीडियो तैयार करने और जटिल दस्तावेज बनाने तक, एआई कई क्षेत्रों में तेजी से अपनी भूमिका बढ़ा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जो देश एआई तकनीक में आगे होगा, वह भविष्य की वैश्विक शक्ति संरचना में भी मजबूत स्थिति हासिल करेगा। अमेरिका के इस फैसले का असर भारत सहित कई देशों पर पड़ सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ उन्नत एआई माडलों तक विदेशी नागरिकों, कंपनियों और यहां तक कि अमेरिका में कार्यरत गैर-अमेरिकी कर्मचारियों की पहुंच भी सीमित की जा रही है। इससे यह संकेत मिलता है कि एआई को अब केवल व्यावसायिक तकनीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच एक और महत्वपूर्ण सवाल सामने आता है, एआई माडल तैयार करने के लिए आवश्यक डेटा कहां से आ रहा है सिस्टम को प्रशिक्षित करने के लिए बड़ी मात्रा में वास्तविक जीवन से जुड़े डेटा की जरूरत होती है। इसके लिए कई कंपनियां विकासशील देशों में लोगों की दैनिक गतिविधियों को रिकार्ड कर रही हैं। कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों से लेकर घरेलू कामकाज करने वाले लोगों तक, विभिन्न गतिविधियों के वीडियो और व्यवहार संबंधी डेटा का उपयोग रोबोट और एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे डेटा का संग्रहण विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में अपेक्षाकृत कम लागत पर संभव है। यही वजह है कि भारत जैसे देशों का डेटा वैश्विक एआई विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हालांकि, इससे डेटा स्वामित्व और तकनीकी लाभ के बंटवारे को लेकर नए सवाल भी खड़े हो रहे हैं। एआई के क्षेत्र में अमेरिका और चीन फिलहाल सबसे आगे माने जाते हैं, जबकि भारत अभी अपनी क्षमताओं को तेजी से विकसित करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। ऐसे समय में भारत के सामने चुनौती केवल नई तकनीक अपनाने की नहीं, बल्कि अपने डेटा संसाधनों, अनुसंधान क्षमता और एआई इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की यह प्रतिस्पर्धा केवल व्यापार या तकनीकी उत्पादों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि डेटा, नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर नियंत्रण को लेकर वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेगी। ऐसे में भारत के लिए आत्मनिर्भर एआई विकास और डेटा सुरक्षा रणनीति पर गंभीरता से काम करना समय की मांग बन गया है।

वैज्ञानिकों ने तैयार किया पृथ्वी के भीतर छिपे विशाल फंगल नेटवर्क का नक्शा

लंदन

पहली बार वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के भीतर छिपे एक विशाल फंगल नेटवर्क का वैश्विक नक्शा तैयार किया है। वैज्ञानिक भाषा में इसे आर्बस्कुलर माइकोराइजल फंगस कहते हैं, जो पृथ्वी के लगभग 70 प्रतिशत पौधों की प्रजातियों से सीधा जुड़ा है। यह माइकोराइजल फंगस का नेटवर्क लगभग 110 कुआड्रिलियन किलोमीटर यानी 621 ट्रिलियन मील लंबा है। यह दूरी इतनी है कि इससे पृथ्वी और सूरज के बीच की दूरी को करीब एक अरब बार तय किया जा सकता है। यह अंडरग्राउंड नेटवर्क लगभग 45 करोड़ साल से पौधों के साथ मिलकर काम कर रहा है और इसका कुल वजन दुनिया के सभी इंसानों के कुल वजन से छह गुना अधिक आंका गया है। नीदरलैंड की व्रीज यूनिवर्सिटी और स्पन (सोसायटी फार द प्रोटेक्शन आफ अंडरग्राउंड नेटवर्क्स) के वैज्ञानिकों ने दुनिया भर के नौ अलग-अलग बायोम से मिट्टी के 16 हजार से अधिक सैंपल और मशीन लर्निंग की मदद से इस नेटवर्क की मैपिंग की है। यह फंगस मिट्टी से पोषक तत्व और पानी लेकर पौधों को देता है, बदले में पौधे इसे प्रकाश संश्लेषण से बनी कार्बन देते हैं। सिर्फ एक चम्मच मिट्टी के अंदर ही लगभग 10 मीटर लंबा फंगस नेटवर्क मौजूद हो सकता है। यह अदृश्य प्रणाली हर साल पौधों से लगभग चार अरब टन कार्बन डाइआक्साइड सोखकर मिट्टी में जमा करती है, जो इंसानों द्वारा फैलाए जाने वाले कुल प्रदूषण का करीब 11 प्रतिशत है। मिट्टी के नीचे कार्बन और पोषक तत्वों का परिवहन 120 माइक्रोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से होता है, जो मानवीय पैमाने पर लगभग 248 मील प्रति घंटे के बराबर है। शोध में एक सरप्राइजिंग तथ्य सामने आया कि इस नेटवर्क की सबसे ज्यादा सघनता उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की बजाय घास के मैदानों में है। दुनिया के कुल फंगस बायोमास का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा केवल घास के मैदानों और प्रेयरीज में मौजूद है, जैसे फ्लोरिडा के एवरग्लेड्स और एशिया के तिब्बती पठार। हालांकि, यह अदृश्य साम्राज्य अब खतरे में है। आधुनिक खेती के तरीकों, जैसे कि रासायनिक उर्वरकों और कवकनाशकों का व्यापक उपयोग, साथ ही बार-बार जुताई से इस फंगस नेटवर्क की सघनता में औसतन 47 प्रतिशत की गिरावट आई है। जब पौधों को तैयार उर्वरक मिलते हैं, तो वे फंगस को कार्बन देना बंद कर देते हैं, जिससे मिट्टी की कार्बन जमा करने की क्षमता खत्म हो जाती है।

आस्ट्रेलिया की एक्सरसाइज में 19 देशों की वायु सेनाएं होंगी शामिल

नार्दर्न टेरिटरी। अगले माह 20 जुलाई से 7 अगस्त 2026 के बीच आस्ट्रेलिया के नार्दर्न टेरिटरी में बहुराष्ट्रीय वायुसेना अभ्यास एक्सरसाइज पिच ब्लैक का आयोजन किया जाएगा। रायल आस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) द्वारा आयोजित यह अभ्यास एक बार फिर वैश्विक सैन्य सहयोग और संयुक्त संचालन क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस बार 19 मित्र और साझेदार देशों के 100 से अधिक विमान और हजारों सैन्य कर्मी इसमें हिस्सा लेंगे। इस अभ्यास में ब्रुनेई, कनाडा, फिजी, फिनलैंड, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्पेन, स्वीडन, थाईलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाएं शामिल होंगी। तीन सप्ताह तक चलने वाला यह अभ्यास दुनिया के सबसे बड़े सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा, जहां वास्तविक युद्ध जैसी जटिल परिस्थितियों में प्रशिक्षण दिया जाता है। आरएएएफ के अनुसार, पिच ब्लैक 2026 का मुख्य उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच आपसी तालमेल को बढ़ाना, रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना और बहुराष्ट्रीय सैन्य अभियानों में प्रभावी समन्वय स्थापित करना है।

भारत की सख्ती से नेपाली फैक्ट्रियों में लगा ताला, गोदामों में फंसी 7 लाख किलोग्राम चाय

काठमांडू

भारत की नई चाय आयात नीति ने नेपाल के चाय उद्योग के सामने संकट पैदा किया है। भारतीय चाय बोर्ड की सख्त जांच और गुणवत्ता नियमों के कारण नेपाल का चाय निर्यात करीब रुक गया है। इसके चलते पूर्वी जिलों इलाम और झापा में दर्जनों फैक्ट्रियां बंद हुई हैं। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इलाम में 53 चाय फैक्ट्रियों ने 15 जून से काम बंद किया है। इसके अलावा झापा में 30 फैक्ट्रियों ने कुछ दिनों में उत्पादन रोकने की घोषणा की है।

इन फैक्ट्रियों में काम बंद करने से सेक्टर पर निर्भर हजारों मजदूरों और किसानों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। सिर्फ झापा में करीब 20000 मजदूर और किसान अपनी कमाई के लिए चाय उद्योग पर निर्भर हैं। नेपाली चाय उद्योग का कहना है कि 3 लाख किलोग्राम से ज्यादा नेपाली चाय भारतीय बाजार में पहुंच चुकी है लेकिन अनिवार्य क्वालिटी टेस्टिंग प्रक्रियाओं के कारण फंसी हुई है।

इसके अलावा 7 लाख किग्रा से ज्यादा प्रोसेस्ड चाय फैक्टरी के गोदामों में बिना बिकी पड़ी है। फैक्टरी मालिकों का कहना है कि बिक्री रुकने के कारण स्टोरेज की जगह भर गई है। इससे किसानों को हरी चाय की पत्तियों के लिए भुगतान करना मुश्किल हो गया है। सूर्योदय आर्थोडाक्स टी प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिल्ली श्रेष्ठ ने कहा कि जब तक तैयार चाय नहीं बिक रही है, फैक्ट्रियां नहीं चल सकतीं। टी बोर्ड आफ इंडिया ने मिलावटखोरी रोकने के लिए 1 मई से स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) शुरू किया है। इसके तहत नेपाल से आने वाली हर चाय की खेप की क्वालिटी टेस्टिंग अनिवार्य कर दी गई है। नेपाली चाय उत्पादकों का कहना है कि टेस्ट के नतीजे आने में दो हफ्ते से ज्यादा का समय लगता है। उस दौरान खेप बेची नहीं जा सकती। अगर कोई सैंपल टेस्ट में फेल हो जाता है, चाय को या वापस करना पड़ता है या नष्ट करना पड़ता है। इस संकट का असर हजारों चाय उत्पादक किसानों पर पड़ने की आशंका है। सिर्फ सूर्योदय नगरपालिका में 2995 किसान चाय की खेती से जुड़े हैं। यह नगरपालिका 33655 रोपनी जमीन पर हर साल लगभग 2 करोड़ किलोग्राम हरी चाय की पत्तियां पैदा करती है। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, नेपाल हर साल 70 लाख किलोग्राम से ज्यादा आर्थोडाक्स चाय निर्यात करता है।

जी-7 सम्मेलन में दिखी भारतीय कूटनीति, पीएम मोदी ने ब्रिटेन, यूएई, जापान, मिस्र और केन्या के नेताओं से की मुलाकात

व्यापार, निवेश, नवाचार, एआई और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

एवियन (फ्रांस)

फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई देशों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इन बैठकों की जानकारी साझा करते हुए विभिन्न देशों के साथ सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन संबंधों में पिछले एक वर्ष के दौरान आई मजबूती पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हालिया व्यापार समझौते ने आर्थिक सहयोग के नए अवसर खोले हैं। बैठक में नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), कौशल विकास, खेल तथा निवेश जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर विचार-विमर्श हुआ। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सशक्त बनाने के उपायों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई में रह रहे भारतीय समुदाय के प्रति वहां की सरकार द्वारा दिखाई जा रही संवेदनशीलता और सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ बातचीत में व्यापार और निवेश को प्राथमिकता देते हुए दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को और गहरा करने पर सहमति बनी। दोनों नेताओं ने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और मिस्र के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को विशेष बताया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इसके अलावा केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो के साथ हुई बैठक में वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की साझा आकांक्षाओं और विकास संबंधी चुनौतियों पर विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और केन्या की साझेदारी आपसी विश्वास और विकास सहयोग पर आधारित है तथा दोनों देश अपने नागरिकों के कल्याण के लिए मिलकर कार्य करते रहेंगे। जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई इन बैठकों को भारत की सक्रिय वैश्विक कूटनीति और प्रमुख देशों के साथ बढ़ते सहयोग का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रणनीतिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती दिखाई दे रही है।

जनादेश के साथ विश्वासघात बर्दाश्त नहीं : कांग्रेस

दल बदलने वाले सांसदों के घरों के बाहर होगा तीव्र विरोध प्रदर्शन : गोपालदादा तिवारी

पुणे, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने चेतावनी दी है कि यदि इंडिया गठबंधन के टिकट पर निर्वाचित सांसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अथवा महायुति में शामिल होते हैं, तो इसे जनता के जनादेश के साथ सीधा विश्वासघात माना जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सांसदों के निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता उनके आवासों के बाहर तीव्र विरोध प्रदर्शन एवं आंदोलन करेंगे।

बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में तिवारी ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता ने महाविकास आघाड़ी एवं इंडिया गठबंधन के घोषणा-पत्र और नीतियों का समर्थन करते हुए मतदान किया था। साथ ही मतदाताओं ने नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में अपना जनादेश दिया था। ऐसे में यदि जनता द्वारा चुने गए सांसद बाद में भाजपा या महायुति में शामिल होते हैं, तो यह मतदाताओं के साथ प्रत्यक्ष विश्वासघात तथा जनादेश का अपमान होगा।

तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार के कथित असंवैधानिक एवं लोकतंत्र-विरोधी कार्यों के विरोध में तथा संविधान और राष्ट्रीय संपत्तियों की रक्षा के उद्देश्य से राहुल गांधी के नेतृत्व वाले कांग्रेस-प्रणीत इंडिया गठबंधन को लोकसभा चुनाव में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ। जनता ने संसद में एक मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी भी कांग्रेस को सौंपी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के लोकसभा सांसदों की संख्या 52 से बढ़कर 102 हो गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), आयकर विभाग तथा चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया। इसके बावजूद भाजपा अपने '400 पार' के लक्ष्य से काफी पीछे रह गई और उसकी लोकसभा सीटें घटकर 240 रह गईं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आज भी मुख्य रूप से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन के आधार पर सत्ता में बनी हुई है तथा भाजपा को देशभर में 38 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त नहीं हुए।

गोपालदादा तिवारी ने आरोप लगाया कि यदि जनता द्वारा विपक्ष के रूप में चुने गए सांसद कानूनी प्रावधानों और दो-तिहाई संख्या बल की आड़ लेकर सत्ता पक्ष में शामिल होते हैं, तो यह लोकतंत्र की हत्या के समान होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र के अन्य संवैधानिक स्तंभ इस स्थिति को मूकदर्शक बनकर कैसे देख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भी 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा-नीत एनडीए की तुलना में कांग्रेस-इंडिया गठबंधन को अधिक सांसद चुनकर जनता ने अपना स्पष्ट जनादेश दिया था। शिवसेना सहित इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी पूरी मेहनत की थी। इसलिए अब यदि कोई सांसद दल बदलता है, तो उसे जनता और गठबंधन दोनों के साथ विश्वासघात माना जाएगा।तिवारी ने आरोप लगाया कि राज्य की विभिन्न विकास परियोजनाओं में हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार पर उच्च न्यायालय ने भी गंभीर टिप्पणियां की हैं। ऐसे में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता अनैतिक तरीके से सत्ता में बने रहने वालों के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे तथा जनादेश के विपरीत दल बदलने वाले सांसदों के घरों के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन करेंगे।

यह चेतावनी महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर-ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और ख़ुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 जून 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 07:01 तक
नक्षत्र : पुष्य प्रातः 11:33 तक
योग : व्याघात सायं 05:35 तक
करण : वणिज प्रातः 08:16 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहूकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुरुपुष्य अमृत सिद्धि योग प्रातः 05:42 से 11:33 तक ,गण्डमूल प्रातः 11:34 से , भद्रा प्रातः 08:16 से रात्रि 07:01 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महाराणा प्रताप के आदर्श आज भी राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देते हैं : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को राष्ट्रगौरव, मेवाड़ शिरोमणि एवं वीरता, स्वाभिमान तथा त्याग के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल किसी एक समाज, क्षेत्र या वर्ग के नायक नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण राष्ट्र के प्रेरण-स्रोत हैं। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि व्यक्ति को परिस्थितियां कैसी भी हों, अपने स्वाभिमान, संस्कृति और राष्ट्रहित से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष किया तथा अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि को समर्पित कर दिया।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में युवा पीढ़ी को महाराणा प्रताप के जीवन चरित्र का अध्ययन करना चाहिए। उनके संघर्ष, धैर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर समाज और देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी की ऐतिहासिक भूमि केवल एक युद्धस्थल नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, शौर्य और बलिदान की अमर गाथा है। प्रत्येक भारतीय को जीवन में एक बार हल्दीघाटी जाकर वहां की पावन धरा का दर्शन अवश्य करना चाहिए, जिससे राष्ट्र के प्रति गौरव और समर्पण की भावना और अधिक प्रबल हो सके।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें आत्मसम्मान, साहस, संघर्ष और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी समाज को दिशा प्रदान कर रहे हैं। ऐसे महापुरुषों का स्मरण केवल जयंती तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को दैनिक जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम के अंत में नियमित सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंद, श्रमिक एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत एवं कमला देवी कुमावत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, पेद्दापल्ली और रेवेन्यू डिविजनल ऑफिसर के निर्देश पर पेद्दापल्ली मंडल के बूथ लेवल ऑफिसर और सुपरवाइजर के लिए एसआईआर प्रोग्राम पर ट्रेनिंग बुधवार को अमरचंद कल्याण मंडपम में रखी गई। इसमें एडिशनल कलेक्टर (रेवेन्यू) कोप्पुला वेंकट रेड्डी, रेवेन्यू डिविजनल ऑफिसर गंगैया, तहसीलदार राजैया, मास्टर ट्रेनर, तहसीलदार ऑफिस स्टाफ, बूथ लेवल ऑफिसर और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

पेद्दापल्ली के बालसाधन में लड़कियों के एडमिशन के लिए आवेदन आमंत्रित

पेद्दापल्ली, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर ऑफिसर (प्रभारी) कालिंदिनी ने बुधवार को बताया कि महिला और बाल कल्याण विभाग द्वारा सुल्तानाबाद स्थित श्री राम टॉकीज के पास संचालित बालसाधन (बालिका गृह) में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अनाथ, परित्यक्त और कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही 6 से 18 वर्ष की बालिकाएं प्रवेश के लिए पात्र हैं। पात्र बालिकाओं के माता-पिता, अभिभावक और संबंधित अधिकारी इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए फोन नंबर 6300398362 पर संपर्क करें।

कामारेड्डी के गुंकुल गांव में अखंड हरिनाम सप्ताह

कामारेड्डी, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के मोहम्मद नगर मंडल स्थित गुंकुल गांव के हनुमान मंदिर में अखंड हरिनाम सप्ताह कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ चल रहा है।

सोमवार को 7वें दिन श्री हरि भक्त परायण वामन राव महाराज के कीर्तन ने सभी श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। तुकाराम महाराज ने 4 छंदों के अभंगों की व्याख्या की। वामन राव महाराज ने कहा कि बच्चों को सनातन धर्म, हिंदू एकता, जाति भेदभाव मिटाने और पारिवारिक मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से भक्ति मार्ग अपनाने, माता-पिता की सेवा करने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

भजन मंडली के सदस्यों और ग्रामीणों ने डफली, मृदंग व अन्य वाद्य यंत्रों के साथ भक्ति संगीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सरपंच गंगी रमेश, उपसरपंच साय गौड़, किष्टा रेड्डी, साई रेड्डी, श्रीनिवास रेड्डी, सुरेश, वेंकटेशम, भजन मंडली के सदस्य और नरवा, गोरगल, बुरगुल, नरसिंगराव पल्ली, मोहम्मद नगर, कोमलांचा, कोनापुर, मुडेली, सीताईपल्ली सहित आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, युवा और बच्चे शामिल हुए।

खाकी अखाड़ा मठ में 29 को होगी भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित खाकी अखाड़ा मठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर बालयोगी ब्रह्मर्षि महंत श्री श्री 1008 अमृत दास खाकी जी के सानिध्य में 29 जून, पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा आयोजित होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 108 कलशों से स्नान कराया जाएगा।

मान्यता है कि स्नान के बाद भगवान 15 दिन तक ज्वर से पीड़ित रहते हैं। इस अवधि में उन्हें औषधीय काढ़ा अर्पित किया जाता है। 16 जुलाई को पूर्णतः स्वस्थ होकर भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देंगे। इस बार रथयात्रा में छप्पन भोग चढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम के लिए तेलंगाना सरकार की धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा को निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर विजय कुमार तोतला, रित्विक सिंह, श्रीनिवास गौड़ आदि उपस्थित थे।

मोहनलाल बागरेचा बने वर्षावास समिति 2026 के मुख्य संयोजक

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ फीलखाना के तत्वावधान में क्रांतिकारी जैन आचार्य श्री विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहब के कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति 2026 के मुख्य संयोजक एवं श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ फीलखाना के अध्यक्ष मनोनीत होने पर मोहनलाल बागरेचा का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर जैन संस्कार मंच के संयोजक रिद्धिश जागीरदार, फीलखाना संघ के पूर्व मंत्री चौहान मुकेश जैन, तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष अशोक संचेटी और अजित पार्श्व युवा संगठन के निदेशक नरेश पारेख उपस्थित थे।

जुक्कल में एसआईआर पर बैठक, राजनीतिक दलों से सहयोग का आह्वान

मदनूर, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ और अतिरिक्त कलेक्टर वी. विक्टर ने बुधवार को मदनूर मंडल केंद्र में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सभी दलों से पूर्ण सहयोग का आग्रह किया। वी. विक्टर ने कहा, पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने और नाम-पते में सुधार के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) व ईआरओ कार्यालय के साथ सहयोग करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया 25 जून से 24 जुलाई तक चलेगी, जिसमें घर-घर जाकर जनगणना प्रपत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर पार्टी प्रतिनिधि मतदाता सूची की गहन जांच करें, एसआईआर मैपिंग में लोगों की सहायता करें और शिकायतें-आपत्तियां समय पर दर्ज कराएं। त्रुटिरहित सूची के लिए अधिकारियों और दलों में समन्वय जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक पार्टी प्रति बूथ 2 बीएलए नियुक्त करे और दावे-आपत्तियां निर्धारित समय सीमा में जमा करे। बैठक में दलों द्वारा उठाए गए सवालों का समाधान कर जागरूकता बढ़ाई गई। इससे पहले अतिरिक्त कलेक्टर वी. विक्टर ने तहसीलदार कार्यालय में जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के एसआईआर हेल्प डेस्क का रिबन काटकर उद्घाटन किया। बैठक में जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न दलों के नेता, बीएलए, 8 मंडलों के तहसीलदार मुजीब, रंजीत, मारुति, महेंद्र, भुजंगा राव और नायब तहसीलदार हेमलता, रामकृष्ण उपस्थित थे।

इंटर छात्रों के लिए ग्रैन्यूल इंडिया में 3 माह की ट्रेनिंग, 15,000 स्टाइपेंड

पेद्दापल्ली, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली जिले में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 और 2025-26 में एमपीसी और बीपीसी से इंटरमीडिएट पूरा करने वाले छात्रों को हैदराबाद की ग्रैन्यूल इंडिया लिमिटेड द्वारा 3 महीने की ट्रेनिंग के लिए चुना जाएगा।

चयनित छात्रों को ट्रेनिंग अवधि में प्रतिमाह 15,000 का स्टाइपेंड और आवास सुविधा दी जाएगी। ट्रेनिंग के बाद उन्हें टाटा इंस्टीट्यूट में फार्मेसी ग्रेजुएशन डिग्री में प्रवेश मिलेगा। कोर्स के दौरान प्रति सेमेस्टर 30,000 फीस देय होगी और हॉस्टल सुविधा उपलब्ध रहेगी। कोर्स पूरा करने वालों को रोजगार के अवसर भी दिए जाएंगे।

इच्छुक छात्र अधिक जानकारी के लिए 20 जून तक कलेक्ट्रेट कार्यालय में इंटरमीडिएट ऑफिसर के कार्यालय में जिला इंटरमीडिएट शिक्षा अधिकारी कल्पना से संपर्क कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां क्यों थी।

संख्या पढकर चौंक गए परंतु यह सत्य है, शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख है कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां थी। वास्तव में उनकी 16,108 पत्नियां थी। हम सभी जानते हैं कि प्राचीन काल में बहुविवाह प्रथा बहुत लोकप्रिय थी, फिर भी 16,108 की संख्या बहुत अधिक लगती है। भारतीय पौराणिक कथाओं में कई ऐसी कहानियाँ हैं जो काफी रोचक हैं। भगवान कृष्ण अपने चमत्कारों के लिए जाने जाते हैं जिनकी रोचक कहानियाँ हमारे मन में कुतूहल उत्पन्न करती है। राधा के साथ उनका आत्मिक प्रेम, आठ सुन्दर राजकुमारियों से विवाह तथा फिर भी 16,000 और अधिक पत्नियां निश्चित रूप से हमें आश्चर्यचकित कर यह जानने के लिए मजबूर कर देते हैं कि इन सब के पीछे क्या कारण होगा। यदि हम शास्त्रों में देखें तो हम देखेंगे कि भगवान कृष्ण से राधा से कभी भी विवाह नहीं किया था।

क्यूं पड गया श्री कृष्ण के शरीर का रंग नीला परन्तु उन्होंने आठ महिलाओं से शादी की। उनकी आठ पत्नियों के नाम रुक्मिणी, सत्यभामा, जाम्बवती, कालिंदी, मित्रविंदा, नाग्नाजिती, भद्रा और लक्ष्मणा थे। उनमें से सत्यभामा और रुक्मिणी प्रसिद्ध हैं। अब 16,000 पत्नियों की कहानी की ओर बढते हैं। हम सभी जानते हैं कि भगवान कृष्ण एक चमत्कारी राजा थे। उनके साथ जो कुछ भी हुआ उसके पीछे कोई न कोई कारण था। अतः यह कहना सही नहीं होगा कि 16,108 पत्नियां कृष्ण लीला का एक हिस्सा थी। अतः ऐसी क्या परिस्थिति हुई कि भगवान कृष्ण को 16,000 महिलाओं से विवाह करना पडा आइए देखें।

महाभारत से जुडे कुछ रोचक रहस्य नरकासुर की कहानी नरकासुर प्रज्योतिषा का राजा था। यह स्थान अब असम के नाम से जाना जाता है। वह विष्णु के सूअर अवतार वराह और पृथ्वी की देवी भूमि देवी का पुत्र था। भूमि का पुत्र होने के कारण उसे भौम या भौमासुर भी कहा जाता था। उसने स्वर्ग, धरती और पाताल तीनों विश्व पर कब्जा कर लिया था। उसने पृथ्वी पर जिन 16,000 देशों पर विजय प्राप्त की थी उन देशों की राजकुमारियों को कैद कर लिया था।

स्वर्ग में उसने स्वर्ग और देवों के देव इंद्रदेव की मां अदिति के कान के बाले (इयररिंग) चुराए। पाताल में उसने पानी के देवता वरुण का शाही छाता चुरा लिया। उसने राजकुमारियों को एक पर्वत पर बंदी बना कर रखा। इसी दौरान इंद्र ने अदिति के कान के बाले वापस लाने तथा विश्व को इस राक्षस की क्रूरता से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान कृष्ण से नरकासुर के साथ युद्ध करने की याचना की। अतः भगवान कृष्ण ने राक्षस का वध कर दिया। लूट का माल नरकासुर की मृत्यु के पश्चात भूमि देवी ने सभी चुराई हुई चीजें कृष्ण को वापस कर दीं जिसमें 16,000 महिलायें भी शामिल थी। श्री कृष्ण ने उन्हें मुक्त कर दिया परन्तु उन महिलाओं से इसका पालन नहीं किया।

सामाजिक कलंक प्राचीन काल में जब कोई राजा किसी अन्य राज्य की महिला का अपहरण कर लेता था तो राजा के परास्त होने के बाद भी उस महिला को राज्य में वापस नहीं लिया जाता था। उन्हें एक कलंकित और शर्मनाक जीवन व्यतीत करना पडता था क्योंकि ऐसा माना जाता था कि किसी दूसरे व्यक्ति ने उन्हें स्पर्श किया है। नरकासुर की कैद में रहने वाली 16,108 महिलाओं को भी यह सहन करना पडा। अतः उन सभी ने भगवान कृष्ण से प्रार्थना की कि वे उन सभी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लें। 16,108 पत्नियां अतः भगवान कृष्ण ने उन सभी से विवाह कर लिया। भागवत पुराण में विवाह के बाद कृष्ण की पत्नियों के जीवन के बारे में बताया गया है। प्रत्येक पत्नी को एक घर और सौ दासियाँ दी गयी थीं। कृष्ण ने स्वयं को कई रूपों में बाँट लेते थे तथा इस प्रकार रात में प्रत्येक पत्नी के साथ रहते थे। सुबह उनके सभी रूप मिलकर कृष्ण बन जाते और वे द्वारका के राजा रूप में आ जाते। कृष्ण की प्रत्येक पत्नी व्यक्तिगत तौर पर उन्हें नहला कर, सजा कर, पंखा झलकर, उन्हें उपहार और फूलों की माला देकर उनकी पूजा करती थी।

चमत्कारी राजा एक कथा के अनुसार एक बार उपद्रवी मुनि नारद ने कृष्ण से प्रार्थना की कि वे अपनी पत्नियों में से एक पत्नी उन्हें दे दें क्योंकि वे कुंवारे हैं। कृष्ण ने उनसे कहा कि आप किसी भी पत्नी को उस समय जीत कर दिखाएँ जब वे (कृष्ण) उनके साथ न रहें। नारद कृष्ण की सभी 16,108 पत्नियों के घर गए परन्तु सभी घरों में कृष्ण उपस्थित थे। इस पारकर नारद कुंवारे रह गए। इस घटना को देखकर नारद आश्चर्यचकित हो गए कि भगवान कृष्ण के रूप में एक देवत्व था, एक पूर्ण और विविध आकार वाली अभिव्यक्ति जो एक ही समय में अपनी 16,000 पत्नियों के साथ का आनंद उठा रही थी। यही कारण है कि भगवान कृष्ण को सर्वशक्तिमान माना जाता है जो किसी न किसी रूप में अपने भक्तों के साथ रहते हैं जैसे वे अपनी 16,108 पत्नियों के साथ रहते थे।

कुंडली में मांगलिक दोष निवारण के उपाय

मांगलिक दोष क्या है।

जन्मपत्री की कुंडली में 12 स्थान होते हैं। इनमे से यदि पहले, दुसरे, चौथे, सातवे, आठवे और बारहवें स्थान में मंगल होता है तो मांगलिक दोष होता है। मांगलिक दोष वाले व्यक्ति पर मंगल गृह की बुरी छाया होती है। यह प्रभाव शादी के समय बहुत मायने रखता है क्यों कि शादी के समय कुंडली मिलान का यह सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। शादी से पहले व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष को देखना और इसका निवारण करना जरूरी है।

मांगलिक दोष के लक्षण

1. स्त्री और पुरुष दोनों में मांगलिक दोष हो सकता है।
2. मंगल को उग्रता वाला गृह माना जाता है इसलिए मांगलिक दोष वाले लोगों का स्वाभाव गर्म माना जाता है।
3. मांगलिक लोगों में बहुत गर्म और उग्र ऊर्जा होता है जिसका यदि सही इस्तेमाल नहीं किया जाए तो यह कुछ ना कुछ गलत हो सकता है।
4. मांगलिक दोष के कारण शादी में देरी होती है।
5. मंगल दोष के कारण शादी में कलह और तनाव रहता है।
6. दो मांगलिक लोगों का आपस में विवाह करने से इसका बुरा प्रभाव दूर होता है।
7. ऐसा माना जाता है कि जिन्होंने पिछले जन्म में अपने पार्टनर के साथ बुरा किया उनमें यह दोष पाया जाता है।

मंगल कब समस्या पैदा करता है

1. यदि मंगल पहले स्थान में है तो शादी के बाद विवाद और हिंसा की सम्भावना रहती है।
2. जब मंगल दुसरे स्थान में रहता है तो व्यक्ति के परिवार के कारण उसका विवाह और नौकरी पेशा प्रभावित होता है।
3. जब मंगल चौथे स्थान में रहता है तो व्यक्ति व्यावसायिक तौर पर सफलता प्राप्त नहीं करता है और लगातार जॉब बदलता है।
4. यदि मंगल सातवे स्थान में होता है तो उसका स्वाभाव उग्र होता है, जिसके कारण वह अपने परिवार से भी मधुर सम्बन्ध नहीं रख पाता है।
5. यदि मंगल आठवे स्थान में होता है तो वह व्यक्ति परिवारजनों द्वारा अलग कर दिया जाता है और जायदाद से बेदखल हो जाता है।
6. जब मंगल दसवे स्थान में होता है तो व्यक्ति को दिमाग से सम्बंधित समस्याएं होती है साथ ही इससे दुश्मन पैदा होना या आर्थिक नुकसान जैसी चीजें भी हो सकती हैं।

मांगलिक दोष निवारण के उपाय

1. दो मांगलिक लोगों का विवाह करने से इसका प्रभाव खत्म हो जाता है।
2. कुम्भ विवाह भी इसका एक समाधान है। इस विवाह में व्यक्ति को शादी से पूर्व किसी पेड से या कलश से विवाह करना पडता है।
3. मंगलवार का व्रत करने से भी इसका बुरा प्रभाव कम होता है। इस व्रत में मांगलिक लोगों को तूर दाल ही खानी होती है।
4. मंगलवार को नवग्रह मन्त्र या हनुमान चालीसा का जाप करने से भी मांगलिक दोष का असर कम होता है।
5. मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर पूजा करना भी मंगल दोष के निवारण का अच्छा उपाय है।
6. ज्योतिषियों के अनुसार मांगलिक दोष वाले लोगों को लाल मूंगा जडित सोने की अंगूठी दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करनी चाहिए।
7. मांगलिक लोगों को 28 साल की उम्र के बाद शादी करने की सलाह दी जाती है क्यों कि उम्र के अनुसार दोष का असर भी कम हो जाता है।

हिंदू धर्म में सिंदूर का महत्व

आमतौर पर सिंदूर को हिंदू महिलाओं द्वारा लगाया जाता है तथा इसका महत्व हिंदू पौराणिक कथाओं में छुपा है। सिंदूर, एक स्त्री के विवाहित होने की निशानी है तथा इसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करते लगाती हैं। इसे माथे पर बालों के बीच में लगाया जाता है।

हिंदू धर्म में, इसे लगाने का हक केवल विवाहित महिलाओं को दिया गया है। एक प्रचलित मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने अपने पति के सम्मान के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी जिसके कारण सिंदूर को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है। अतः, माना जाता है कि जो महिला अपने माथे पर सिंदूर धारण करती है, देवी पार्वती का हाथ उसके सर पर सदैव बना रहता है तथा देवी पार्वती हर समय उसके पति की रक्षा करती है।

भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग इसके अलावा सिंदूर धारण करने के कई ऐतिहासिक प्रमाण भी मौजूद हैं। तो चलें, उन महत्वपूर्ण कारणों के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं।

1 ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, मेष राशि का स्थान माथे पर होता है। मंगल, मेष राशि का स्वामी ग्रह है और क्योंकि मंगल ग्रह का रंग लाल होता है, इसे शुभ माना जाता है। अतः इसे सौभाग्य का संकेत भी माना जाता है।

2 सिंदूर को नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह शक्ति एक पत्नी को किसी भी मुश्किल घडी में अपने पति की रक्षा करने में मदद करती है।

3 उत्तर भारत में नवरात्रि व संक्राति के त्योहारों पर विवाहित स्त्रियों के लिए सिंदूर लगाना अत्यंत अनिवार्य है। इससे पता चलता है कि सिंदूर धार्मिक कारणों की वजह से भी बहुत महत्व रखता है। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपा हुआ है ये विज्ञान

4 सिंदूर लगाने का एक और दिलचस्प कारण भी है। सिंदूर को धातु पारे के साथ हल्दी व चूने के मिश्रण से तैयार किया जाता है। पारा रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करता है एवं महिलाओं की यौन इच्छा को सक्रिय करता है। जिसके कारण इसमें एक शारीरिक महत्व भी शामिल हो जाता है। इसलिए, सिंदूर को हमारी भावनाओं के केन्द्र, पिट्यूटरी ग्रंथ पर लगाना चाहिए।

धन का संचय उतना ही करना चाहिए जितनी जरूरत हो

बात उस समय की है जब गुरु नानक देव लाहौर यात्रा पर थे। वह एक अजीब नियम था। वो यह कि जिस व्यक्ति के पास जितनी अधिक संपत्ति वह अपने घर के ऊपर उतने ही झंडे लगाता था लाहौर में दुनीचंद्र के पास 20 करोड रुपए की संपत्ति थी। इसलिए, उसके घर की छत पर 20 झंडे फहरा रहे थे। दुनीचंद्र को पता चला कि गुरु नानक जी लाहौर आए हैं तो वो उनसे मिलने गया। दुनीचंद्र ने गुरुनानक जी से सेवा का अवसर मांगा। गुरु नानक जी ने उसे एक सुई देते हुए कहा, इसे ले जाइए और अगले जन्म में मुझे वापस कीजिएगा। दुनीचंद्र ने सुई ले ली। लेकिन उसने सोचा कि अगले जन्म में यह सुई मैं कैसे ले जा सकूंगा। वह वापस गुरु नानक जी के पास गया और उसने कहा, मरने के बाद में यह सुई कैसे ले जा सकता हूं। तब गुरु नानक जी ने कहा, जब तुम एक सुई अपने अगले जन्म में नहीं ले जा सकते तो इतनी सारी संपत्ति कैसे ले जा सकोगे। दुनीचंद्र ने जब यह बात सुनी तो उसकी आंखें खुल गईं।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

हिंदू धर्म में राहु और केतु दो ग्रह हैं जिन्हे दोष के रूप में जाना जाता है। राहु और केतू, एक ही असुर का नाम है जिसने अमृत मंथन के दौरान छल से अमृत पी लिया था और जब उसने आधा अमृत पी लिया तब पता चला कि वह असुर है तो भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसका गला काट दिया। वह मरा नहीं, लेकिन सिर और धड दो हिस्सों में बंट गया, जिसे राहु-केतु के नाम से जाना गया। ये एक ग्रह बन गए जो लोगों की कुंडली में दोष माने जाते हैं। हिंदू धर्म में इन्हे दूर करने के कई उपाय हैं, जिन्हे लोगों के द्वारा अपनाया जाता है। अगर आप भी जानना चाहते है कि जीवन से राहु-केतु का दोष किस प्रकार दूर करना है। तो इन आध्यात्मिक उपायों को जानें।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

प्रत्येक शनिवार शाकाहारी भोजन करें: राहु और केतु दोष ग्रह है। इसके लिए आपको शनिवार को पूजा करनी चाहिए और इस दिन पूर्णतः शाकाहारी भोजन का सेवन करना चाहिए।

भगवान शिव की पूजा करें: अगर आपकी कुंडली में राहु-केतु का दोष है तो भगवान शिव की पूजा करें। भगवान शिव, राहु-केतु और शनि के दोषों का निवारण करते है। आप प्रतिदिन 21 बार ओउम् नमः शिवाय का जाप करें।

राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें। राहु और केतु के दोषों को शांत करने के लिए आप राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें। इस पूजा को आप घर पर आयोजित करवाएं, इससे आपके घर में सुख और शांति भी आएगी।

श्रीकालहस्ती मंदिर के दर्शन करें: श्रीकला हस्ती मंदिर आंध्रप्रदेश में स्थित है। जिन लोगों के जीवन में राहु-केतु दोष है वह इस मंदिर में दर्शन के लिए अवश्य जाएं। साल में भारी संख्या में लोग यहां दर्शन करने आते है।

दान: राहु-केतु दोष होने पर आप शनिवार को सरसों का तेल दान करें, गेहूं, नारियल, केला आदि को दान करें। गरीबों को भोजन खिलाएं। इससे आपको जीवन में सुकून और खुशी मिलेगी और यह ग्रह दोष भी शांत हो जाएगा।

क्यूं की जाती है गणेश-लक्ष्मी की पूजा एक साथ

दीपावली के दिन हम धन और समृद्धि की देवी माँ लक्ष्मी और बुद्धि के देवता भगवान गणेश की पूजा करते हैं। यह हम सब भली भांति जानते हैं कि कोई भी शुभ कार्य गणेश पूजन के बगैर कभी पूरा नहीं होता।

गणेश जी बुद्धि प्रदान करते हैं। वे विघ्न विनाशक और विघ्नेश्वर हैं। यदि व्यक्ति के पास खूब धन-सम्पदा है और बुद्धि का अभाव है तो वह उसका सदुपयोग नहीं कर पायेगा। इसलिए व्यक्ति का बुद्धिमान और विवेकी होना भी आवश्यक है। तभी धन के महत्व को समझा जा सकता है। गणेश लक्ष्मी की एक साथ पूजा के महत्व को कई कहानियों के माध्यम से बताया गया है। आइये जाने ऐसी ही कहानी।

शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन और संबृद्धि का प्रतीक माना गया है। जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्होंने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है जब तक वह माँ ना बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयी मदद मांगने के लिए।

जानिए दीवाली पर क्यों किया जाता है लक्ष्मी पूजन

पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थी कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देख भाल नहीं कर पाएंगी। लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौप दिया।

इससे लक्ष्मी जी बहुत प्रसन्न हुई और उन्होंने कहा कि वे गणेश का बहुत ध्यान रखेंगी। और जो सुख और संबृद्धि के लिए लक्ष्मी जी का पूजन करते हैं उन्हें उनसे पहले गणेश जी की पूजा करनी पडेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी। तब से आज तक दीपावली पर लक्ष्मी जी की पूजा से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है।

भोले के भैरव रूप के स्मरण से दूर होते हैं कष्ट

-पहली फरवरी को है कालाष्टमी

-रात्रि को जागरण कर शिव एवं माता पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करें

-ब्रहमा के अपमानित करने पर शिव भगवान ने धारण किया था रौद्र रूप

कालाष्टमी का हिंदू धर्म में बडा महत्वपूर्ण स्थान है। मार्गशीर्ष मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भगवान शिव, भैरव रूप में प्रकट हुए थे। कालाष्टमी का व्रत इसी उपलक्ष्य में किया जाता है। कालाष्टमी को 'भैरवाष्टमी' के नाम से भी जाना जाता है। भगवान भोलेनाथ के भैरव रूप के स्मरण मात्र से ही सभी प्रकार के पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं। भैरव की पूजा व उपासना से मनोवांछित फल मिलता है। अतः भैरव जी की पूजा-अर्चना करने व कालाष्टमी के दिन व्रत एवं षोड्षोपचार पूजन करना अत्यंत शुभ एवं फलदायक माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन कालभैरव का दर्शन एवं पूजन मनवांछित फल प्रदान करता है।

व्रत की विधि भगवान शिव के भैरव रूप की उपासना करने वाले भक्तों को भैरवनाथ की षोड्षोपचार सहित पूजा करनी चाहिए और उन्हें अर्घ्य देनी चाहिए। रात्रि के समय जागरण कर शिव एवं पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करना चाहिए। भैरव कथा का श्रवण और मनन करना चाहिए। मध्य रात्रि होने पर शंख, नगाडा, घंटा आदि बजाकर भैरव जी की आरती करनी चाहिए। भगवान भैरवनाथ का वाहन 'श्वान' (कुत्ता) है। अतः इस दिन प्रभु की प्रसन्नता के लिए कुत्ते को भोजन कराना चाहिए। हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन प्रातःकाल पवित्र नदी या सरोवर में स्नान कर पितरों का श्राद्ध व तर्पण कर भैरव जी की पूजा व व्रत करने से समस्त विघ्न समाप्त हो जाते हैं। भैरव जी की पूजा व भक्ति से भूत, पिशाच एवं काल भी दूर रहते हैं। शुद्ध मन एवं आचरण से जो भी कार्य करते हैं, उनमें इन्हें सफलता मिलती है।

माहात्म्य कालाष्टमी के दिन काल भैरव के साथ इस दिन देवी कालिका की पूजा-अर्चना एवं व्रत का भी विधान है। काली देवी की उपासना करने वालों को अर्धरात्रि के बाद मां की उसी प्रकार से पूजा करनी चाहिए, जिस प्रकार दुर्गापूजा में सप्तमी तिथि को देवी कालरात्रि की पूजा का विधान है। भैरव की पूजा-अर्चना करने से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि के साथ स्वास्थ्य की रक्षा भी होती है। भैरव तंत्रोक्त, बटुक भैरव कवच, काल भैरव स्तोत्र, बटुक भैरव ब्रह्म कवच आदि का नियमित पाठ करने से अनेक समस्याओं का निदान होता है।

कथा भैरवाष्टमी या कालाष्टमी की कथा के अनुसार एक समय श्रीहरि विष्णु और ब्रह्मा के मध्य विवाद उत्पन्न हुआ कि उनमें से श्रेष्ठ कौन है। यह विवाद इस हद तक बढ गया कि समाधान के लिए भगवान शिव एक सभा का आयोजन करते हैं। इसमें ज्ञानी, ऋषि-मुनि, सिद्ध संत आदि उपस्थित थे। सभा में लिए गए एक निर्णय को भगवान विष्णु तो स्वीकार कर लेते हैं, किंतु ब्रहमा जी संतुष्ट नहीं होते। वे महादेव का अपमान करने लगते हैं। शांतचित शिव यह अपमान सहन न कर सके और ब्रहमा द्वारा अपमानित किए जाने पर उन्होंने रौद्र रूप धारण कर लिया। भगवान शंकर प्रलय के रूप में नजर आने लगे और उनका रौद्र रूप देखकर तीनों लोक भयभीत हो गए। भगवान शिव के इसी रूद्र रूप से भगवान भैरव प्रकट हुए। वह श्वान पर सवार थे, उनके हाथ में दंड था। हाथ में दंड होने के कारण वे 'दंडाधिपति' कहे गए। भैरव जी का रूप अत्यंत भयंकर था। उनके रूप को देखकर ब्रह्मा जी को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह भगवान भोलेनाथ एवं भैरव की वंदना करने लगे। ब्रह्मा, देवताओं और साधुओं द्वारा वंदना करने पर भैरव जी शांत हो जाते हैं।

वायु प्रदूषण से बच्चों को एलर्जी का खतरा

बढ़ता प्रदूषण हर दिन जीवन लिए खतरा बनता जा रहा है। एक शोध में बताया गया है जीवन के पहले एक साल तक बाह्य वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भोजन, मिट्टी, पालतू जानवरों और कीटों से एलर्जी होने का खतरा ज्यादा होता है। शोध के परिणाम दर्शाते हैं कि शैशवावस्था के दौरान यातायात संबंधी वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे एलर्जी के कारकों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

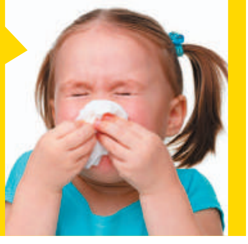

ब्रोकली खाने से नहीं होगी ये बीमारी

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एक सप्ताह में तीन या चार बार ब्रॉकली खाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, अस्थमा और कई तरह के कैंसर के पनपने का खतरा कम हो सकता है। ऐसे जीन्स की पहचान की गई है, जो ब्रोकली में फीनोलिक यौगिकों के जमाव को नियंत्रित करते हैं। जिन लोगों के आहार में इन यौगिकों की एक तय मात्रा होगी, उन्हें इन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम होगा।

ब्रेड और कॉर्न खाने वाले हो जाएं सावधान

सुबह के नाश्ते में अधिकतर लोग ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और कई तले-भुने पदार्थों का सेवन करते हैं लेकिन यही पदार्थ फेफड़ों के कैंसर का रोगी बना सकते हैं जिसका खुलासा एक नए शोध में हुआ है। व्हाइट ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और तले-भुने चावल जैसे ग्लाइसेमिक इंडेक्स युक्त भोजन और पेय पदार्थ फेफड़ों के कैंसर के विकास को बढ़ा सकते हैं।

ग्लाइसेमिक सूचकांक और ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) एक संख्या है जो एक विशेष प्रकार के भोजन से संबंधित है। यह व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज के स्तर पर भोजन के प्रभाव को संकेत करता है। गोरी त्वचा, हल्के रंग के बालों और नीली, हरे, रंग की आंखों वाले लोगों में यह एससीसी विकसित होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 1 हजार 905 रोगियों को शामिल किया था, जिन्हें हाल ही में फेफड़ों के कैंसर की शिकायत हुई थी। इसके साथ ही 2 हजार 413 स्वस्थ व्यक्तियों का भी सर्वेक्षण किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी पिछली आहार की आदतों और स्वास्थ्य इतिहास की जानकारी दी।

शोध के दौरान प्रतिदिन जीआई युक्त भोजन करने वालों में जीआई भोजन न करने वालों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर का 49 प्रतिशत जोखिम देखा गया। आश्चर्य तौर पर कार्बोहाइड्रेट की सीमा मापने वाले ग्लाइसेमिक लोड (जीएल) का फेफड़ों के कैंसर से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला। शोधार्थियों का कहना है कि तंबाकू और धूम्रपान का सेवन न करने वालों में भी फेफड़ों के कैंसर के लक्षण मिले हैं जिससे पता चलता है कि आहार के कारक भी फेफड़ों के कैंसर जोखिमों से संबंधत हो सकते हैं।

ज्यादा नारियल पानी से हो सकता है हार्ट अटैक

नारियल पानी पीने के यूं तो कई फायदे हैं। लेकिन गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए रोजाना दो गिलास से अधिक नारियल पानी लेना सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

पानी की कमी पूरी करने के लिए केवल नारियल पानी पर निर्भर रहना सही नहीं है। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर में जाकर इस तत्व को सामान्य से अधिक कर देता है। जिससे खासकर किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। पोटैशियम शरीर के लिए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट है। सामान्य रूप से व्यक्ति को रोजाना 4700 मिग्रा पोटैशियम की जरूरत होती है। 250 मिली. नारियल पानी में 600 मिग्रा. पोटैशियम होता है। यह शरीर की तंत्रिकाओं, मांसपेशियों और हृदय के सुचारू कार्य करने के लिए जरूरी है।

इन बातों का ध्यान रहे

कई बार हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और डायरिया के पेशेंट्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट और पानी की कमी को पूरा करने के लिए दिन में कई बार नारियल पानी का सहारा लेते हैं। लेकिन दिनभर में दो गिलास (500 एमएल) से अधिक यह पानी नहीं पीना चाहिए। हार्ट फेल्योर के बढ़ते चांस किडनी शरीर में मौजूद जरूरत से ज्यादा पोटैशियम को बाहर निकालती है। लेकिन इसके मरीजों में इसकी अधिक मात्रा बाहर नहीं निकल पाती और किडनी फैल्योर की आशंका बढ़ जाती है।

इसके अलावा पोटैशियम की अधिकता से हृदय की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं जिससे धड़कनें अनियमित हो जाती हैं जिससे हार्ट फेल्योर के चांस भी बढ़ते हैं। इतना है जरूरी शरीर में पानी की कमी को फल व सलाद से पूरी कर सकते हैं। ये विटामिन और मिनरल तत्व का अच्छा स्त्रोत होते हैं।

कच्चे पपीते की ड्रिंक दूर भगाए गठिया का दर्द

पैर की उंगलियों, घुटनों और एडी में गस के दर्द होता है तो समझिए कि खून में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ गई है। जब यूरिक एसिड क्रिस्टल के रूप में हमारे हाथ और पैरों के जोड़ों में जम जाता है तो उसे गाउट की बीमारी बोलते हैं। हांलाकि इस समस्या से बचने के लिए एक ड्रिंक जो कि कच्चे पपीते और पानी से तैयार की जाती है, जिसको दिनभर पीने से गाउट के दर्द में धीरे - धीरे आराम मिल जाता है।

कैसे रहेगी ताजगी बरकरार

अक्सर हम सब्जियां खरीद कर उन्हें फ्रिज और किचन की टोकरी में रख देते हैं। कुछ चीजों की जगह तो जैसे फिक्स-सी हो गई है। आलू, प्याज जैसी सब्जियों के लिए किचन की टोकरी, तो नींबू, टमाटर और दूसरी सब्जियां फ्रिज की टोकरी में रख दी जाती हैं। यह सोचे बिना कि कौन-सी सब्जी कहां स्टोर करनी चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर सब्जियों को देखकर उन्हें सही जगह स्टोर किया जाए, तो वह लंबे समय ताज़ा बनी रहती हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ जरूरी बातें, जो आपकी सब्जियों को बनाए रखेंगी कई दिनों तक फ्रेश।

प्याज

अक्सर लोग प्याज लाने के बाद उसे पॉलीथीन में ही रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी उसकी लाइफ को कम कर देती है। प्याज को अंधेरी, सूखी और ठंडी जगह पर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक ठीक रहती हैं, लेकिन ज़्यादा ठंडी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इन्हें अखबार में या फिर कागज के बैग में छोटे-छोटे छेद करके लपेट देना चाहिए। दूसरी बात जो ध्यान रखनी चाहिए, आलू और प्याज को कभी भी एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए क्योंकि आलू में से जो गैस निकलती है वह प्याज को खराब कर सकता है।

नींबू

अक्सर सभी घरों में नींबू काफी तेजी से इस्तेमाल और पसंद किए जाते हैं। अक्सर लोगों को सवाल होता है कि इन्हें लंबे समय तक जूसी और ताज़ा कैसे रखा जा सकता है? तो आपको बता दें कि नींबू को सिर्फ रेफ्रिजरेटर में ऐसे ही न रखें। इन्हें ज़िप लॉक में रखकर टाइट बंद कर दें। इन्हें काउंटर पर खुला छोड़ने से परहेज करें। ऐसा करने से नींबू का रस सूख जाता है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि नींबूओं की नमी बरकरार रखने के लिए इन्हें पानी में डालकर छोड़ दें।

केला

केलों को सड़ने से बचाने का सबसे आसान तरीका है, उसके क्राउन (केले का ऊपरी भाग, जहां उसकी जड़े मिलती हैं) को प्लास्टिक से लपेट कर रख दें। केले में से इथाइलीन नामक गैस निकलती है, जो कि फलों को पकाती है। इसकी जड़ को प्लास्टिक बैग से लपेटकर, उसमें पैदा होने वाली गैस को बचे हुए भाग तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। इसकी ज़्यादातर गैस जड़ों के माध्यम से ही निकलती है। आप सही केलों को गुच्छे से अलग करके पके हुए केलों को अलग कर सकते हैं क्योंकि पके हुए केले ज़्यादा गैस रिलीज़ करते हैं। इसके अलावा, जड़ों को एक साथ अलग न करें, इससे भी केले जल्दी ब्राउन होते हैं।

टमाटर

टमाटर को स्टोर करने से पहले हमें इस बात को जान लेना चाहिए कि उन्हें ठंडी जगह पर रखना चाहिए या नहीं। हम में से बहुत से लोग सोचते हैं कि फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उन्हें रेफ्रिजरेटर में रख देना, लेकिन यह फॉर्मुला हर बार काम नहीं करता। बिना पके टमाटरों को कमरे के तापमान पर ही रखा जाना चाहिए, ताकि वह ज्यादा जूसी और टेस्टी बन जाएं। ज़्यादा तापमान में वह अपना फ्लेवर खो देते हैं। सिर्फ पूरे पके हुए टमाटरों को ही प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रखा जा सकता है लेकिन ध्यान रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के आधे घंटे पहले ही उन्हें फ्रिज से निकाल कर कमरे के तापमान पर ले आएं।

आलू

लगभग हर घर की किचन में दिखने वाला आलू, काफी बहुमुखी होता है। लेकिन जब हम इन्हें अंकुरित देखते हैं, तो बहुत बुरा लगता है। इन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती। बस, इन्हें जाली वाले बैग में रख दें। अगर आप इन्हें ठंडी जगह पर स्टोर कर देंगे, तो इनमें उपस्थित स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे आपके खाने का स्वाद खराब हो जाता है। इन्हें रोशनी में बाहर निकाल कर ही रखें और आलूओं को कभी भी धोकर स्टोर न करें क्योंकि नमी से आलू खराब हो जाते हैं।

मसाले

जीरा, धनिया, गरम मसाला, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी– ये कुछ ऐसे मसाले हैं, जिन्हें किचन में रखने के बाद देखने की जरूरत पड़ती है। अक्सर, हम इन्हें महत्वपूर्ण नहीं समझते और किचन के कैबिनेट में रखकर भूल जाते हैं। उन मसालों को इस्तेमाल करने से बचें, जिनकी टेस्ट और खुशबू खत्म हो चुकी हो। रोशनी, हवा, गर्मी और नमी मसालों के दुश्मन हैं। आप इन्हें टिन के जार में स्टोर कर सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि डिब्बे टाइट बंद हो और उन्हें गैस से दूर रखें।

पनीर

पनीर अक्सर सभी लोगों का फेवरिट होता है इसे प्लास्टिक बैग में लपेट के इसके टेस्ट को खराब नहीं करना चाहिए। इसे स्टोर करते समय ध्यान रखना चाहिए कि यह आसानी से सांस ले सके और सूखे नहीं। इन्हें स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है पार्चमेंट पेपर। यही नहीं, आप इन्हें सुरक्षित रखने के लिए टेप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे न ज़्यादा टाइट बंद करना है और न ही ज़्यादा ढीला। प्लास्टिक के अलावा, आप इसे एल्यूमीनियम फॉइल पेपर में लपेट सकते हैं। लंबे समय तक ताज़गी बनाए रखने के लिए जब भी आप इसे खोलें, तो कोशिश करें फिर से नए फॉइल में ही लपेटें। इसके साथ ही, अगर आप फ्रिज में पनीर रख रहे हैं, तो ध्यान रहे कि पनीर फ्रिज के नीचे वाले भाग में ही रखें। साथ ही, पनीर को फ्रिजर में रखने से उसकी नरमी खत्म हो जाती है। पनीर के कटे हुए किनारों को टूटने से बचाने के लिए उसके किनारों पर जैतून का तेल और कनोला तेल लगाया जा सकता है।

साइड इफेक्ट से बचाता है आड़ू

राग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम करने के साथ कीमोथैरेपी के साइड इफेक्ट से भी बचाता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह फायदेमंद है।

न्यूट्रीशन इंडेक्स

175 ग्राम आड़ू लगभग 68 कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें 10 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 6 फीसदी फाइबर होता है। साथ ही इसमें 11 फीसदी विटामिन-ए और 19 फीसदी विटामिन-सी होता है। आड़ू में बहुत कम फैट (1 प्रतिशत) होता है इसलिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह अच्छा होता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम व आयरन तत्व होते हैं।

कितनी मात्रा जरूरी

प्रतिदिन 2-3 आड़ू खाए जा सकते हैं।

ध्यान रखें...

इसे दूसरे फलों के साथ मिलाकर न खाएं। भोजन के तुरंत बाद खाने की बजाए इसे आधे घंटे बाद खाएं।

इनके लिए मनाही

जिन्हें एलर्जी और शरीर में सूजन की समस्या हो वे इसे खाने से पहले डॉक्टरी सलाह लें।

किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज़्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज़्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताज़ा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, ज़ुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

रेसिपी

चोको चिप केक

सामग्री

वनीला एसन्स 1 टेबल स्पून, दूध 2/3 कप, चीनी 1 कप, मैदा 1 + 1/4 कप, अंडे 3, बेकिंग सोडा 1 + 1/4 टेबल स्पून, मक्खन 150 ग्राम, चोको चिप 1 कप।

विधि

चीनी और मक्खन को किसी बड़े बाउल में निकालकर अच्छी तरह से तब तक फेंटे जब तक मक्खन चीनी के साथ अच्छे से मिल नहीं जाता (फेंटने के लिए आप मिक्सर का उपयोग कर सकते है)। अंडों को फोड़कर मिक्सर में 1 मिनट तक फेंटना है। अंडे दुगने लगने लगेंगे। एक छलनी मे मैदा और बेकिंग सोडा डाल कर छान लीजिये, ताकि इसमें हवा भर जाए। अंडों को चीनी वाले घोल के साथ अच्छे से फेट लीजिए। इसके बाद वनीला एसेंस चीनी वाले घोल में डाल दे। उसके बाद दूध डाल दीजिये और अच्छी तरह फेट लीजिए। इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से फिर से फेट लीजिए। केक को बर्तन में डालने से पहले उस बर्तन में चारों तरफ तेल या घी लगा ले, उपर से एक छोटी चम्मच मैदा चारो तरफ डाल दीजिये। फिर मैदा के घोल को केक बनाने वाले बर्तन मे डाल दीजिए और उपर से चोको चिप डाल दीजिए। ध्यान रहे इसे चम्मच से दबाना नहीं है बर्तन को हिला-हिला कर केक के पेस्ट को एक समान कर लीजिए। माइक्रोवेव में 20 मिनट टाइम सेट कर दीजिए या ओवन मे 180 डिग्री पर प्री हीट कर लीजिए और 20 से 25 मिनट पर पकने दीजिए। केक मे चाकू डाल कर देख लीजिए केक चाकू से चिपक तो नहीं रहा। केक बनकर तैयार है।

बसंती हलवा

सामग्री

2 कप कसा हुआ कद्दू, 1 कप दूध, 200 ग्राम खोया, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप मेवा (बादाम, किशमिश, काजू), 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर, 1 चुटकी केसर, 1 टे.स्पून देसी घी।

सजाने के लिए: चांदी का वर्क, 1/2 कप सूखा नारियल (कसा हुआ)।

विधि

कद्दू को छीलकर धो लें और कद्दूकस करके पानी डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर हाथों से निचोड़कर सारा पानी निकाल दें। कड़ाही में घी डालकर उसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर भून लें। दूध में खोया और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कड़ाही में डाल दें। जब दूध हलवे में अच्छी तरह मिल जाए, तब उसमें चीनी, इलायची पाउडर और मेवे डालकर 15 मिनट तक चलाये, गर्मागर्म बसंती हलवा चांदी के वर्क और सूखे नारियल से सजाकर सर्व करें।

संपादकीय

सियासत से कितने बाहर शहर

सरकारों की एक पायदान हिमाचल के नगर निगमों की बिसात में कयास लगा रही है, तो 29 तारीख को यह मुकद्दमा शांत होगा। शहर का मेयर और डिप्टी मेयर जब अवतरित होंगे, तो उनके भीतर की सरकार देखी जाएगी। बेशक हिमाचल की राजनीति में महापौर व उप महापौर अब एक शब्दावली है, लेकिन पिछले कार्यकालों में इनका उल्लेख किसी संपूर्णता में नहीं होता रहा है। शहर का वजूद चाहता है कि इसकी प्लानिंग के सरोकार राजनीति से ऊपर हो जाएं, मगर विकास के पन्ने अभी स्वतंत्र नहीं हुए। बेशक इस बार कार्यकाल पांच वर्ष की चिट्ठी निकाल चुका है, लेकिन नागरिक समाज की संवेदना में मेयर और डिप्टी मेयर की ताजपोशी प्रत्यक्ष चुनाव की गुजारिश करती है। हमारा मानना है कि मेयर का रुतबा जिस दिन पार्टियों के चुनाव चिन्ह से अलग नजर आएगा, शहर सियासी घोंसलों से बाहर निकल पाएंगे। भले ही शिमला के बाद धर्मशाला नगर की आयु में शहर की बुनियाद स्थिर होती देखी जाए, लेकिन जनता की आस्था में न पार्षद व न महापौर और न ही उप महापौर के पद परिपक्व हुए। चुनावों में क्या खोया, क्या पाया का राजनीतिक संग्राम समवेत स्वर में बोलेगा, लेकिन शहर ने खोया-क्या पाया, यह तसदीक न हुआ। हार-जीत के इन सिलसिलों में बुरी तरह हार रहा है शहरीकरण। हिमाचल में दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के एक साथ कई कब्रिस्तान अगर शिमला-धर्मशाला में देखे जा रहे हैं, तो इस त्रासदी का मूल्यांकन कैसे होगा। न सोच, न विमर्श और न ही विजन सामने आया, तो बस इसलिए कि हमने दुम हिलाते दरबार बनाए या जीत-हार के बीच रिकार्ड बनाए हैं। अगर स्मार्ट परियोजनाएं केवल नागरिक समाज के उद्धार या स्वरोजगार पर केंद्रित होतीं, तो भी एक दिशा मिलती। आश्चर्य धर्मशाला में स्मार्ट सिटी की सजावट में मिलता है, जहां पंद्रह इलेक्ट्रिक बसें चलती हैं, लेकिन स्थानीय बस सेवा के बजाय ये एचआरटीसी के लंबे रूट ढोती हैं। स्मार्ट सिटी एचआरटीसी वर्कशाप बनाने में मदद करती है, विभिन्न विभागों के प्रवेश द्वार खड़े कर देती है। शिमला पर स्मार्ट सिटी का भूत कंक्रीट का ताना बाना बुनता है। परंपरागत पत्थर घिस जाते हैं या कहीं लोहे के स्तंभ उभर आते हैं। क्या शिमला की स्मार्ट सिटी ने राज्य की राजधानी का मंतव्य पूरा किया। कहना न होगा कि चुनावों के बाद शहरों के विजन में ये नगर निगम कौनसा इजाफा करते हैं। यहां मसला विभागीय, राज्य सरकार व केंद्रीय सरकार के साथ समन्वय का है। हर शहर के लिए अगले पचास सालों का खाका सामने आना चाहिए। मसलन अटल टनल के अस्तित्व में आने के बाद कुल्लू-मनाली का नक्शा कैसे बदलना चाहिए। फोरलेन मार्गों की परिधि में आ रहे शहरों के मौलिक स्वरूप को कायम रखने के लिए नई व्यवस्था चाहिए, वरना सडक़ पर कई गांव, नए शहरों का बदन बढ़ा देंगे। ऐसे में नए निवेश की यात्रा पर तमाम फोरलेन परियोजनाओं के साथ-साथ नए निवेश केंद्र, सेटेलाइट टाउन तथा ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करते हुए प्रदेश का मानचित्र सुदृढ़ करना होगा। बेशक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के साथ-साथ सरकार ने एयरो सिटी तथा बारह मीटर तक सडक़ कोरिडोर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इस संदर्भ में विकास की हर परियोजना और शहरीकरण की हर इंच का उपयोग नागरिक सुविधा, रोजगार अवसर तथा भविष्य की अधोसंरचना की जरूरतों में करना होगा। शहरी विकास का विषय इतना बड़ा व आवश्यक हो चुका है कि हिमाचल के गांवों को भी शहरों के नजदीक समझना होगा। हमारे पड़ोसी राज्य सिटी सेंटर के प्रारूप में न केवल निवेश, बल्कि शहरों की व्यापारिक-नागरिक जरूरतों को पूरा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हिमाचल में शहरों के लिए सिटी अस्पताल, मनोरंजन केंद्र, आधुनिक बाजार, लोकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क, बस स्टैंड कम व्यावसायिक केंद्र, महापार्किंग स्थल, डंपिंग एरिया, वेंडिंग जोन, वोल्वो एवं टैक्सी स्टैंड एवं जल स्रोतों से जल संग्रह की बेहतर व्यवस्था तथा विकास पर काम करना होगा।

शहर का मेयर और डिप्टी मेयर जब अवतरित होंगे, तो उनके भीतर की सरकार देखी जाएगी। बेशक हिमाचल की राजनीति में महापौर व उप महापौर अब एक शब्दावली है, लेकिन पिछले कार्यकालों में इनका उल्लेख किसी संपूर्णता में नहीं होता रहा है। शहर का वजूद चाहता है कि इसकी प्लानिंग के सरोकार राजनीति से ऊपर हो जाएं, मगर विकास के पन्ने अभी स्वतंत्र नहीं हुए। बेशक इस बार कार्यकाल पांच वर्ष की चिट्ठी निकाल चुका है, लेकिन नागरिक समाज की संवेदना में मेयर और डिप्टी मेयर की ताजपोशी प्रत्यक्ष चुनाव की गुजारिश करती है। हमारा मानना है कि मेयर का रुतबा जिस दिन पार्टियों के चुनाव चिन्ह से अलग नजर आएगा, शहर सियासी घोंसलों से बाहर निकल पाएंगे। भले ही शिमला के बाद धर्मशाला नगर की आयु में शहर की बुनियाद स्थिर होती देखी जाए, लेकिन जनता की आस्था में न पार्षद व न महापौर और न ही उप महापौर के पद परिपक्व हुए। चुनावों में क्या खोया, क्या पाया का राजनीतिक संग्राम समवेत स्वर में बोलेगा, लेकिन शहर ने खोया-क्या पाया, यह तसदीक न हुआ। हार-जीत के इन सिलसिलों में बुरी तरह हार रहा है शहरीकरण। हिमाचल में दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के एक साथ कई कब्रिस्तान अगर शिमला-धर्मशाला में देखे जा रहे हैं, तो इस त्रासदी का मूल्यांकन कैसे होगा।

दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

ललित गर्ग

वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं?

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान-इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन

के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है।

देश दुनिया से

कैसे बढ़ाएं शिक्षा में गुणवत्ता?

आज की तेजी से बदलती दुनिया में, शिक्षा में गुणवत्ता के महत्त्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। स्कूलों और कॉलेजों से लेकर जीवन भर सीखने के कार्यक्रमों तक, गुणवत्ता वह आधार है जो यह पक्का करता है कि सीखना असरदार, निष्पक्ष और टिकाऊ हो। शिक्षा में गुणवत्ता का मतलब हर व्यक्ति या हर स्थिति के लिए एक जैसा नहीं होता। कुछ लोगों के लिए, इसका मतलब अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक हो सकते हैं जो छात्रों को प्रेरित करते हैं। दूसरों के लिए, इसका मतलब आधुनिक सुविधाएं, अपडेटेड पाठ्यक्रम और पढ़ाने के नए तरीके हो सकते हैं। फिर भी, मूल रूप से, शिक्षा में गुणवत्ता को तीन जरूरी तत्वों के मेल के रूप में समझा जा सकता है। शिक्षा को समाज की वास्तविक जरूरतों को पूरा करना चाहिए और सीखने वालों को वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना चाहिए। हर सीखने वाले को, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, ऐसे अवसरों तक पहुंच मिलनी चाहिए जो उन्हें सफल होने में मदद करें। शिक्षा को न केवल ज्ञान देना चाहिए, बल्कि उसे असल जिंदगी में लागू करने की क्षमता भी देनी चाहिए, जिससे व्यक्तिगत विकास और सामाजिक प्रगति में योगदान मिल सके। जब ये पहलू एक साथ आते हैं, तो शिक्षा केवल एक औपचारिकता से आगे बढक़र प्रगति की एक सच्ची ताकत बन जाती है। जब शिक्षा उच्च गुणवत्ता वाली होती है, तो यह भरोसा पैदा करती है। माता-पिता को विश्वास होता है कि अपने बच्चों को स्कूल भेजने से वे भविष्य के लिए तैयार होंगे। नियोक्ता आश्वस्त महसूस करते हैं कि ग्रेजुएट कुशल और सक्षम हैं। समुदाय शिक्षा को विकास के आधार के रूप में देखते हैं। गुणवत्ता के बिना, यह भरोसा कमजोर हो जाता है और डिप्लोमा या सर्टिफिकेट का मूल्य खत्म हो जाता है। एक ऐसी प्रणाली जो गुणवत्ता को महत्त्व देती है, वह रटने से कहीं आगे जाती है। यह छात्रों को सिखाती है कि सवाल कैसे पूछें, समस्याओं को कैसे हल करें और खुद से कैसे सोचें। ये ऐसी क्षमताएं हैं जो पाठ्यपुस्तकें बंद होने के लंबे समय बाद भी मूल्यवान बनी रहती

हैं। उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा गरीबी और असमानता के चक्र को तोड़ सकती है। निष्पक्ष अवसर और सीखने का प्रभावी माहौल देकर, यह वंचित पृष्ठभूमि वाले छात्रों को अपने साथियों के साथ बराबरी के स्तर पर मुकाबला करने का मौका देता है। जिन समुदायों में शिक्षा का सिस्टम मजबूत होता है, वहां अक्सर ज्यादा इनोवेशन, सामाजिक स्थिरता और लोगों की भागीदारी देखने को मिलती है। अच्छी शिक्षा से ऐसे जागरूक नागरिक तैयार होते हैं, जो समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। शिक्षा ग्रेजुएशन के साथ खत्म नहीं होती। जिस व्यक्ति को अच्छी शिक्षा मिली हो, उसे जीवन भर इसके फायदे मिलते हैं। काम की जगह पर, अच्छी सीख प्रोफेशनल काबिलियत में बदल जाती है। घर पर, यह लोगों को मजबूत मूल्यों वाली अगली पीढ़ी तैयार करने में मदद करती है। समाज में, यह जिम्मेदारी, सम्मान और भागीदारी को बढ़ावा देती है। जीवन भर रहने वाला यह असर बताता है कि गुणवत्ता (क्वालिटी) से कभी समझौता क्यों नहीं करना चाहिए। खराब शिक्षा सालों की मेहनत बर्बाद कर सकती है, जबकि अच्छी शिक्षा दशकों तक जीवन को बेहतर बनाती है। शिक्षा में गुणवत्ता का मतलब सिर्फ किताबें, टेक्नोलॉजी या सुविधाएं नहीं हैं, इसका संबंध लोगों से भी है। शिक्षक अहम भूमिका निभाते हैं। वे न सिर्फ छात्रों के दिमाग को, बल्कि उनके नजरिए को भी आकार देते हैं। एक समर्पित शिक्षक जिज्ञासा, आत्मविश्वास और क्रिएटिविटी को प्रेरित कर सकता है। इसी तरह, प्रेरित छात्र, शामिल माता-पिता और सहयोगी समुदाय- सभी शिक्षा को सार्थक बनाने में योगदान देते हैं। बिना गुणवत्ता के, शिक्षा पर सवाल उठ सकते हैं। गुणवत्ता के साथ, यह एक भरोसेमंद पासपोर्ट बन जाती है जो सीखने वालों को दुनिया के किसी भी कोने में सफल होने में मदद करती है। गुणवत्ता के सबसे अहम पहलुओं में से एक यह है कि यह एक जगह स्थिर नहीं रह सकती। दुनिया लगातार बदल रही है- नई टेक्नोलॉजी आती हैं, नए उद्योग बनते हैं, और नई चुनौतियां सामने आती हैं। शिक्षा को भी इसके साथ कदम मिलाकर चलना होगा। इसका मतलब है सिलेबस की लगातार समीक्षा, पढ़ाने के नए तरीके और ऐसे लचीले सिस्टम जो छात्रों और समाज की जरूरतों के हिसाब से ढल सकें। गुणवत्ता के लिए समर्पित संस्थान कभी भी सुधार करना बंद नहीं करता। यह फीडबैक लेता है, नतीजों को मापता है, और प्रासंगिकता व असरदार होने के लिए अपने तरीकों में बदलाव करता है। सुधार की यह संस्कृति शिक्षा को जीवंत, गतिशील और भविष्य के लिए तैयार रखती है। शिक्षा में गुणवत्ता को निष्पक्षता से अलग नहीं किया जा सकता। असली गुणवत्ता का मतलब है कि कोई भी सीखने वाला पीछे न छूटे, चाहे वजह आर्थिक पृष्ठभूमि, लिंग या जगह हो। समानता यह पक्का करती है कि सभी छात्रों को पढ़ाई और संसाधनों के एक जैसे ऊंचे स्तर तक पहुंचने का मौका मिले। जब शिक्षा उच्च-गुणवत्ता वाली और समान होती है, तो इससे ऐसे समाज बनते हैं जो ज्यादा न्यायपूर्ण, समावेशी और स्थिर होते हैं। यही संतुलन शिक्षा को उसका सबसे बड़ा मकसद पूरा करने में मदद करता है, हर इनसान को सशक्त बनाना। आज के दौर में, टेक्नोलॉजी गुणवत्ता को बढ़ाने का एक अहम जरिया बन गई है। ऑनलाइन लर्निंग, डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट टूल्स ने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाई है।

कुछ अलग

सुन रे तेल!

ये डायन जिंदगी भी न! पता नहीं जिंदगी में क्या क्या दिखाती है? पता नहीं, अभी और क्या क्या दिखाएगी? पहले जिंदगी तेल देख, तेल की धार देखते कटी और अब तेल देख, तेल की मार देखते कट रही है। वैसे पूरी आंखें खोले तेल से अधिक तेल की धार देखते हुए आज तक जागे जागे तो जागे जागे, सोए सोए भी जितने फैसले लिए, उन सब फैसलों ने कुल मिलाकर मेरा तेल ही निकाला। तेल देख तेल की धार देखने के बाद बंधुओ! आजकल तेल देख, तेल की धार देखने के बाद, तेल की मार देख रहा हूं। हो सकता है कल को जिंदगी में वे दिन भी देखने पड़ें जब तेल की धार के बदले तेल की मात्र लार देखनी पड़े। अहा! क्या दिन थे वे भी! जब पूरे शरीर पर रचा रचा कर तेल मालिश किया करता था। दाल सब्जी में पानी कम होता था और तेल अधिक होता था। घर के बाहर मिनटों स्कूटर स्टार्ट कर चार चार बीडियां मजे से फूंक उसके बाद ही ऑफिस को चलता था। और आज! सब्जी दाल के तडक़े में तेल फूंक फूंक कर डालना पड़ रहा है। हफ्तों हो जाते हैं तेल की मालिश किए बिना। स्कूटर बिन स्टार्ट किए धक्के मार कर ऑफिस ले जाना पड़ रहा है। ताकि राह चलते बंदों को पता चले कि बंदा स्कूटर वाला है। बिन स्कूटर वाला नहीं। क्या हुआ जो उसमें तेल नहीं है। हे तेल! काश! जो तू न होता तो न तेरी धार होती। जो तू न होता तो आज तेरी मार न होती। जो तू न होता तो आज तेरे लिए मुंह से टपकती लार न होती। जो तू न होता तो दोस्तों में तनी तलवार न होती। कई बार तो मुझे लगता है कि हर लड़ाई का मूल तू है। अति विकसित बंदे के हिय का शूल तू है। काश! जो तू न होता तो जो आज हो रहा है, वह न होता। काश! जिंदगी की हर गाड़ी बिन तेरे चला करती। काश! हर किचन बिन तेरे जला करती। काश! न तेरी जरूरत होती, न होर्मुज होता।

दृष्टि कोण

कीटनाशकों का पसरता जहर

1960 के दशक में भारतवर्ष को अन्न संकट का सामना करना पड़ा था, जिससे निजात पाने के लिए नए-नए आजाद हुए देश के पास अभी तक अपनी कृषि शोध संस्थाओं का भी अभाव था। लिहाजा मजबूरी में हमें अमरीकी रासायनिक कृषि मॉडल का अनुकरण करना पड़ा। उच्च उत्पादकता के लिए वही उपलब्ध और स्थापित मॉडल था। जिसके अंतर्निहित खतरे भी अभी तक सामने नहीं आए थे। हरित क्रांति के नाम पर नई कृषि पद्धति का भारत में आगमन हुआ, जो मुख्यतः रासायनिक खादों से उपज बढ़ाने और फसलों को लगने वाली बीमारियों पर नियंत्रण के लिए रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग पर आधारित थी। शुरू शुरू में उपज बढ़ाने में अच्छी सफलता मिली, अन्न उत्पादन में देश आत्मनिर्भर हुआ। धीरे धीरे इस पद्धति की सीमाएं सामने आने लगी हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि यह पद्धति टिकाऊ नहीं है। रासायनिक कृषि एक आत्मघाती पद्धति साबित होती जा रही है। रासायनिक कीटनाशकों के अनियंत्रित प्रयोग से एक ओर जहां मिट्टी के उपजाऊपन को हानि पहुंच रही है, वहीं कीटनाशकों का जहर खाद्यान्नों, फलों-सब्जियों में पहंच कर मनुष्य स्वास्थ्य के लिए भयानक खतरा पैदा करता जा रहा है। फसलों और फलों के परागण के लिए जरूरी किसान के मित्र कीट भी नष्ट होते जा रहे हैं। बहुत से मित्र कीट और पक्षी जो फसलों में बीमारी फैलाने वाले कीटों को नियंत्रित करते थे, वे भी नष्ट होते जा रहे हैं। जैव-विविधता और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक जहर भारत में अनियंत्रित रूप से प्रयोग हो रहे हैं। कीटनाशक बनाने वाली कंपनियां ही शायद नियंत्रण के लिए प्रभावी कानून बनाने में सबसे बड़ी रुकावट हैं। इसका प्रमाण यह है कि 1968 के कीटनाशक एक्ट के बाद कोई प्रभावी और अनुभवों के आधार पर नया एक्ट बन ही नहीं सका है। 2008, 12 और 20 को इसके लिए किए गए प्रयास नामालूम कारणों से ठंडे बसते में ही पड़े रहे हैं। 2025 में भी नया ड्राफ्ट बनाने की बात सुनी है, किन्तु अभी उसका भी

अता पता नहीं है, जिसके चलते ऐसे जहर जो दुनिया के बहुत से देशों में प्रतिबंधित हैं, वे भारत में धड़ल्ले से प्रयोग हो रहे हैं और बेचे जा रहे हैं। हरित क्रांति में कई बीज भी अमरीका, मैक्सिको आदि देशों से आए थे। उनके साथ कई खरपतवारों के बीज भी आ गए। लेंटाना, युपिटोरियम, पार्थेनियम आदि अनेक खरपतवार फैल गए। उनके नियंत्रण के लिए वनस्पति नाशक रसायनों का प्रचलन हो गया, जिनमें पैराक्यूएट और ग्ल्यफोसेट जैसे अति जहरीले रसायन हैं जो दुनिया के बहुत से देशों में प्रतिबंधित हैं। इन रसायनों का कुछ अंश फसलों, फलों, सब्जियों में स्प्रे के बाद बचा रहता है और भोजन के साथ मनुष्य शरीर में चला जाता है। फसलों, फलों-सब्जियों के नमूने जांच करने के बाद पता चला है कि लगभग एक तिहाई खाद्य पदार्थों के नमूनों में कीटनाशकों और वनस्पति नाशकों के अंश पाए गए। इन अंशों की अधिकतम निर्धारित सीमा से अधिक जहर 3.5 फीसदी नमूनों में पाया गया। परिणामस्वरूप कीटनाशक जनित रोगों में बढ़ोतरी हो रही है, जिनमें सबसे ज्यादा खतरनाक कैंसर है। हिमाचल में फलों और सब्जियों पर भारी मात्रा में कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है, जिसके चलते कैंसर वृद्धि दर जहां राष्ट्रीय स्तर पर 0.6 फीसदी है, वहां हिमाचल में यह 2.2 फीसदी है, जो बहुत ही चिंताजनक स्थिति है। स्प्रे के दौरान भी किसान दुर्घटनावश कीटनाशकों के जहर की चपेट में आ जाते हैं, जिनमें से बहुत से अकाल मृत्यु के ग्रास बन जाते हैं। 2023 में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल में इस तरह से जहर की चपेट में आने से 1197 मौतें दर्ज की गईं।

आप का नज़रिया

विधायक जीरो, बीस सांसद!

लोकतंत्र और दलबदल का एक भद्दा और मजाकनुमा उदाहरण सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने ऐसी पार्टी में विलय की घोषणा की है, जिसका अस्तित्व ही बौना है। पार्टी अज्ञात है। एक क्षेत्रीय दल की भी उसे मान्यता प्राप्त नहीं है। उसका एक भी निर्वाचित विधायक नहीं है। हालांकि उसके दो उम्मीदवारों ने त्रिपुरा विधानसभा का चुनाव लड़ा था और एक निर्दलीय को पार्टी ने समर्थन दिया था। उन तीनों उम्मीदवारों को कुल 1198 वोट मिले थे। जाहिर है कि जमानतें जब्त हुईं, लेकिन अचानक उसी पार्टी के खाते में 20 सांसद हो जाएंगे और वह लोकसभा में भाजपा, कांग्रेस, सपा, द्रमुक के बाद 5वीं बड़ी पार्टी हो जाएगी। कितना हास्यास्पद है? एक भी विधायक नहीं, लोकसभा का चुनाव लड़ा नहीं और 20 सांसद...! यह दलबदल और मौकापरस्ती की पराकाष्ठा और विद्रूप तस्वीर है। क्या यह लोकतंत्र और चुनाव में संभव है? क्या 10वीं अनुसूची के तहत दलबदल निरोधक कानून में इस स्थिति को वैधता दी जानी चाहिए? ये 20 दलबदलू सांसद किसके प्रति जवाबदेह होंगे? इनका निर्वाचन तृणमूल के चुनाव चिह्न पर किया गया था, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ इन्हें जनादेश दिया गया था, स्पीकर ओम बिरला के फैसले के बाद ये सांसद भारतीय राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपीआई) के सांसद होंगे और सत्तारूढ़ एनडीए के घटक होंगे। यह पार्टी भी एनडीए की घटक है, न जाने किस आधार पर..? अंततः इस पार्टी और सांसदों का विलय भाजपा में हो सकता है! यह निश्चित रूप से लोकतंत्र और संविधान का मजाक है। निश्चित रूप से दलबदल कानून में गहरी दरारें हैं, जिनमें घुस कर इन सांसदों ने अपनी सांसदी बचाने की कोशिश की है। ये भारतीय राजनीति की 'काली भेड़ें' हैं, लिहाजा प्रख्यात अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने उचित ही कहा है कि इन सांसदों की सदस्यता बर्खास्त की जाए। ऐसा कदापि नहीं होगा, क्योंकि ये भाजपा-समर्थक सांसद हैं। भाजपा को संसद के भीतर वोटों का जुगाड़ करना है। दरअसल इन दलबदलुओं ने सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले की आत्मा ही कुचल दी है। यदि यह मामला सर्वोच्च अदालत में गया, तो न्यायिक पीठ व्याख्या कर सकती है कि दलबदल या पार्टी में विभाजन किन आधारों पर संवैधानिक है? ममता बनर्जी की मूल तृणमूल कांग्रेस ने भी स्पीकर को पत्र लिखा है कि पार्टी अटूट है, लिहाजा नए गुट (बागी) को मान्यता न दी जाए। स्पीकर भी संविधान और कानून विशेषज्ञों की सलाह ले रहे हैं कि 20 बागी सांसदों की वैधता कितनी है? दिवंगत संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप मानते थे कि स्पीकर के निर्णय भी 'राजनीतिक' होते हैं, क्योंकि वह भी किसी पार्टी के सांसद होते हैं, लिहाजा अवचेतन में उस पार्टी के प्रति निष्ठा बनी रहती है। स्पीकर के निर्णय को अदालत में चुनौती दी जा सकती है, लेकिन अदालतें भी स्पीकर के फैसले को बहुत कम छेड़ती हैं। विधायिका और न्यायपालिका के समान सम्मान की बात आड़े आ जाती है, लिहाजा स्पीकर के निर्णय कई सालों तक अदालतों में लटके रहते हैं। गोवा के दलबदल का मामला कई साल पुराना है, जिसमें कांग्रेस के 12 विधायकों ने पाला बदल कर भाजपा का पल्लू थामा था। महाराष्ट्र के असली शिवसेना और एनसीपी के मामले भी शीर्ष अदालत में विचाराधीन हैं। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में स्पीकर के अंतिम फैसले का इंतजार करना चाहिए। एक बौनी और अज्ञात पार्टी में, बुनियादी रूप से तृणमूल के, 20 सांसदों का विलय भाजपा की ही रणनीति है। यह बंगाल चुनाव से पहले ही तय कर ली गई थी। मकसद है कि लोकसभा में संविधान संशोधन बिलों पर इन सांसदों के वोट भाजपा-एनडीए के पक्ष में आने चाहिए। यदि ये सांसद अलग गुट बनाते या इनका केस अदालत में चला जाता, तो इनके मतों पर रोक लगाई जा सकती थी, लिहाजा एनसीपीआई का रास्ता चुना गया। बागियों के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि वे संसद के मॉनसून सत्र के बाद, 'असली तृणमूल' का दावा चुनाव आयोग में ठोकेंगे।

तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने ऐसी पार्टी में विलय की घोषणा की है, जिसका अस्तित्व ही बौना है। पार्टी अज्ञात है। एक क्षेत्रीय दल की भी उसे मान्यता प्राप्त नहीं है। उसका एक भी निर्वाचित विधायक नहीं है। हालांकि उसके दो उम्मीदवारों ने त्रिपुरा विधानसभा का चुनाव लड़ा था और एक निर्दलीय को पार्टी ने समर्थन दिया था। उन तीनों उम्मीदवारों को कुल 1198 वोट मिले थे। जाहिर है कि जमानतें जब्त हुईं, लेकिन अचानक उसी पार्टी के खाते में 20 सांसद हो जाएंगे और वह लोकसभा में भाजपा, कांग्रेस, सपा, द्रमुक के बाद 5वीं बड़ी पार्टी हो जाएगी। कितना हास्यास्पद है? एक भी विधायक नहीं, लोकसभा का चुनाव लड़ा नहीं और 20 सांसद...! यह दलबदल और मौकापरस्ती की पराकाष्ठा और विद्रूप तस्वीर है। क्या यह लोकतंत्र और चुनाव में संभव है? क्या 10वीं अनुसूची के तहत दलबदल निरोधक कानून में इस स्थिति को वैधता दी जानी चाहिए? ये 20 दलबदलू सांसद किसके प्रति जवाबदेह होंगे? इनका निर्वाचन तृणमूल के चुनाव चिहन पर किया गया था, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ इन्हें जनादेश दिया गया था, स्पीकर ओम बिरला के फैसले के बाद ये सांसद भारतीय राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपीआई) के सांसद होंगे और सत्तारूढ़ एनडीए के घटक होंगे। यह पार्टी भी एनडीए की घटक है, न जाने किस आधार पर..? अंतत: इस पार्टी और सांसदों का विलय भाजपा में हो सकता है! यह निश्चित रूप से लोकतंत्र और संविधान का मजाक है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की वापसी

एंटीगा

श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की चोट के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज जोशुआ डा सिल्वा और अमीर जंगू को भी दोबारा मौका मिला है।

अल्जारी और शमार पिछले वर्ष भारत और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान चोट के कारण टीम से बाहर थे। दोनों ने आखिरी बार 2025 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मुकाबला खेला था। उनकी वापसी से वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है, जिसमें केमार रोच और जेडन सील्स भी शामिल हैं।

विकेटकीपर की भूमिका में जोशुआ डा सिल्वा की वापसी हुई है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने हालिया वेस्टइंडीज चैम्पियनशिप में सात पारियों में 413 रन बनाए और प्रतियोगिता के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। वहीं पिछले दौरे में विकेटकीपिंग करने वाले तेविन इमलाच को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ 18 से 21 जून तक होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के लिए वेस्टइंडीज चयन एकादश का कप्तान बनाया गया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अमीर जंगू भी लंबे समय बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। उन्होंने घरेलू सत्र में सात पारियों में 411 रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि हर टेस्ट सीरीज टीम के लिए अपनी पहचान मजबूत करने और बेहतर बनने का अवसर होती है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका मजबूत टीम है और वेस्टइंडीज को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी ने बताया कि खिलाड़ी 12 जून से एंटीगा में चल रहे उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जिससे टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिल रहा है।

यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है, जिसमें वेस्टइंडीज फिलहाल नौवें स्थान पर है। पहला टेस्ट 25 से 29 जून और दूसरा टेस्ट 3 से 7 जुलाई तक नार्थ साउंड में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज टेस्ट टीम:

रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), जान कैम्पबेल, टैगेनरीन चंद्रपाल, जोशुआ डा सिल्वा (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हाज, शाई होप, अमीर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, केमार रोच और जेडन सील्स।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026: नार्वे ने इराक को 4-1 से हराकर की विजयी शुरुआत

बोस्टन। स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालांड के शानदार दो गोलों की बदौलत नार्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में मंगलवार को इराक को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। 28 वर्षों बाद विश्व कप में लौटी नार्वे की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पूरे अंक अपने नाम किए। मुकाबले में नार्वे ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई, जब हालांड ने पहला गोल दागकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इराक ने हार नहीं मानी और 39वें मिनट में अयमन हुसैन ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। लेकिन बराबरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले इराक की रक्षा पंक्ति की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हालांड ने गलत बैकपास पर तेजी दिखाकर गेंद को जाल में पहुंचाया और नार्वे को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में नार्वे ने खेल पर पकड़ मजबूत बनाए रखी। 76वें मिनट में लियो ओस्टिगार्ड ने कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर टीम का तीसरा गोल किया। इसके बाद अतिरिक्त समय में इराक के खिलाड़ी अयमन के आत्मघाती गोल ने नार्वे की जीत पर मुहर लगा दी और मुकाबला 4-1 से समाप्त हुआ। इस जीत के साथ नार्वे ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-आई में फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वहीं इराक को अगले मुकाबले में वापसी के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

स्टोक्स के बचाव में आये नाथन लियोन

सिडनी। नाइटक्लब विवाद को लेकर आलोचनाओं में घिरे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के बचाव में आस्ट्रेलिया के अनुभवी आफ स्पिनर नाथन लियोन आये हैं। लियोन ने स्टोक्स की प्रशंसा करते हुए उन्हें क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया है और उम्मीद जताई है कि वे अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे।लियोन ने कहा कि उनके मन में इंग्लैंड के इस आलराउंडर के लिए बेहद सम्मान है। आस्ट्रेलियाई स्पिनर ने दृढ़ता से कहा, मैं सच में उम्मीद करता हूं कि यह स्टोक्स के करियर का अंत नहीं है। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मेरी नजर में वह क्रिकेट खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। लियोन ने यह भी उम्मीद जताई कि स्टोक्स अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में मैदान पर जरूर नजर आएंगे, क्योंकि उनकी मौजूदगी खेल के लिए बेहद अहम है। ऐसे समय में जब स्टोक्स नाइट क्लब विवाद में व्यक्तिगत जांच के दायरे में हैं, लियोन जैसे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी का यह खुला समर्थन उन्हें मानसिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकता है। एक ओर जहां लियोन ने स्टोक्स के भविष्य को लेकर अपनी चिंता और समर्थन व्यक्त किया, वहीं खुद वह भी अपने करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं। पिछले कुछ समय से हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे 38 वर्षीय आफ स्पिनर अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। यह सीरीज 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होगी।

रुट नहीं स्टीवर्ट के नाम है सबसे अधिक अंतराल के बाद कप्तानी संभालने का रिकार्ड

बर्मिंघम । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट करीब चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स को नाइटक्लब विवाद के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। रुट ने इससे पहले साल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आंखिरी बार टीम की कप्तानी की थी। इस प्रकार रुट को चार साल के अंतराल के बाद कप्तानी मिली है पर अगर सबसे अधिक अंतराल के बाद किसी की कप्तान के तौर पर वापसी हुई है तो ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व कप्तान एलेक स्टीवर्ट के नाम है। स्टीवर्ट ने साल 1993 में ग्राहम गूच के चोटिल होने पर दो टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी। इसके बाद उन्हें 1998 तक इंतजार करना पड़ा, इस बीच उन्होंने 49 टेस्ट मैच बिना कप्तानी किए खेले। 1998 में उन्हें नियमित कप्तान बनाया गया था, इस तरह उन्होंने 49 टेस्ट मैचों के लंबे अंतराल के बाद कप्तानी में वापसी की। इस सूची में दूसरा सबसे लंबा गैप पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस के नाम है। वकार ने दिसंबर 1993 में एक टेस्ट में कप्तानी करने के बाद मई 2001 में फिर से टीम की बागडोर संभाली थी। इस दौरान उन्होंने 47 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने कप्तानी नहीं की थी। वह एशिया के पहले ऐसे कप्तान बने थे जिन्होंने दो अलग-अलग कार्यकाल में कप्तानी के बीच इतना लंबा अंतराल देखा।

भारत ने अफगानिस्तान को 170 रन से हराया

दूसरा वनडे जीतकर सीरीज भी जीती

गिल-किशन के शतक, अर्शदीप-गुरनूर को 3-3 विकेट

लखनऊ: लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया दूसरा वनडे मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। इस मैच को टीम इंडिया ने बेहद आसानी से 170 रनों के विशाल अंतर से अपने नाम कर लिया। इस धमाकेदार जीत के साथ ही भारतीय टीम ने 3 मैचों की इस वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। अब टीम इंडिया अगले मुकाबले में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

गिल-ईशान का तूफान और रिकॉर्ड 402 रन

मैच की बात करें तो अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीता और पिच के मिजाज को देखते हुए पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरी और भारतीय बल्लेबाजों ने शाहिदी के इस फैसले को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया।

टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए कप्तान शुभमन गिल (154 रन) और ईशान किशन (125 रन) के तूफानी शतकों के दम पर 49.2 ओवरों में 402 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका था जब कोई टीम ऑलआउट होने के बावजूद 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाने में कामयाब रही।

लक्ष्य के दबाव में बिखरा अफगानिस्तान, 232 रनों पर सिमटी पारी

403 रनों के असंभव से लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय तेज गेंदबाजों और स्पिनरों की कसी हुई गेंदबाजी के सामने अफगान बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। हालांकि मध्यक्रम में कुछ बल्लेबाजों ने टिकने की कोशिश की, लेकिन रन रेट का दबाव लगातार बढ़ता गया। नतीजतन, विशाल लक्ष्य के दबाव में पूरी अफगानिस्तान की टीम 232 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया और टीम इंडिया ने 170 रनों से मैच जीतकर सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया।

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया की यह पहली वनडे सीरीज जीत है। शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम इंडिया का वनडे कप्तान बनाया गया था।

जिसके बाद फैंस में काफी बवाल मचा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि शुभमन गिल ने दमदार वापसी करते हुए सीरीज में जीता हासिल कर ली है। इसके अलावा इस मुकाबले में भी उनका प्रदर्शन कमाल का रहा।

इंडिया-ए ट्राई सीरीज के फाइनल में

अफगानिस्तान-ए को 101 रन से हराया

प्रियांश-कुशाग्र और तिलक की फिफ्टी

दांबुला। इंडिया-ए ने ट्राई नेशन सीरीज के फाइनल में जगह बना ली है। उसने बुधवार को करो या मरो मैच में अफगानिस्तान-ए को 101 रन के बड़े अंतर से हराया। बुधवार को दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में 320 रन का टारगेट चेज कर रही अफगानिस्तान-ए 36.5 ओवर में 218 रन पर ऑलआउट हो गई। निशांत सिंधु ने 4 विकेट झटके। यश ठाकुर और निशांत सिंधु को 2-2 विकेट मिले।

15 साल के भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी 28 बॉल पर 38 रन बनाकर आउट हुए। वे लगातार चौथी पारी में फिफ्टी नहीं बना सके हैं। हालांकि, प्रियांश आर्या (58 रन), कुमार कुशाग्र (58 रन) और तिलक वर्मा (59 रन) के अर्धशतकों ने टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया की ओर से 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई। ओपनर प्रियांश आर्या और कुमार कुशाग्र ने 58-58 रन बनाए। कप्तान तिलक वर्मा ने 59 रन बनाए। टीम का फाइनल मैच किससे होगा। यह 19 जून को श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए मैच के नतीजे से तय होगा। भारतीय टीम 4 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर है। जबकि, नंबर-2 श्रीलंका के पास भी 4 अंक हैं, लेकिन इंडिया का नेट रन रेट सबसे बेहतर है। अफगानिस्तान-ए 2 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

आस्ट्रेलिया की किसी भी टीम में मिल जाती विराट को जगह : ब्रैट ली

सिडनी। आस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो आस्ट्रेलिया की किसी भी महान टीम का हिस्सा बन सकते हैं। ब्रैट ली के अनुसार इस टीम में उसी खिलाड़ी को जगह मिल सकती है। जिसके केवल रनों के आंकड़े ही बेहतर नहीं हों बल्कि मानसिकता, अनुशासन और तीव्र प्रतिस्पर्धात्मकता भी उसमें होनी चाहिये। ली के अनुसार, इन कसौटियों पर केवल विराट ही सही बैठते हैं।इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि विराट में वह आक्रामकता, फिटनेस और मुकाबला करने की क्षमता है, जिस पर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को हमेशा गर्व रहा है। उनके अनुसार, कोहली हमेशा सफल होने के लिए निरंतर प्रयास करते थे और खेल के प्रति उनका नजरिया कभी किसी भी चीज से समझौता नहीं करता था। यह वह अटल मानसिकता ही थी जिसने उन्हें एक दशक से अधिक समय तक हावी रहने वाली आस्ट्रेलियाई टीम में सहजता से जगह दिला दी होती। पहले भी कई आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने विराट की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान बल्लेबाज बताया था। ये विश्व क्रिकेट में उनके असाधारण कद को साबित करता है। कई प्रतिभाशाली क्रिकेटर उनसे पहले आए और उनके बाद भी आए, लेकिन अनुशासन, खेल के प्रति समर्पण और तीव्र इरादों के कारण विराट आज भी सभी से आगे खड़े हैं।

न्यूजीलैंड ने 2026-27 केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, डेवन कानवे की वापसी

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए बुधवार को अपनी केंद्रीय अनुबंध सूची घोषित कर दी है। इस सूची में सलामी बल्लेबाज डेवन कानवे की वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को भी दोबारा अनुबंध मिला है। वहीं आदित्य अशोक और मोहम्मद अब्बास इस बार सूची से बाहर हो गए हैं।

डेवन कानवे पिछले दो वर्षों से दुनिया भर की टी-20 लीगों में व्यस्त रहने के कारण न्यूजीलैंड बोर्ड के साथ केवल सीमित समझौते के तहत जुड़े हुए थे। हालांकि अब उन्होंने अगस्त 2026 से जुलाई 2027 तक राष्ट्रीय टीम के सभी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध करा दिया है।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा कि कानवे लंबे समय से तीनों प्रारूपों में टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब टीम को बड़े बदलावों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से केन विलियमसन के हालिया संन्यास के बाद कानवे का अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दूसरी ओर तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में उनके पांच विकेट भी चयन का बड़ा आधार बने।

पिछले सत्र में केंद्रीय अनुबंध पाने वाले जैक फाल्क्स और मिच हे ने भी अपना स्थान बरकरार रखा है।

एनजेडसी ने यह भी स्पष्ट किया कि माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन ने टेस्ट क्रिकेट अनुबंध रैंकिंग में शामिल नहीं होने का अनुरोध किया है। दोनों खिलाड़ी अब केवल सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ के रूप में केंद्रीय अनुबंध सूची में रहेंगे।

बोर्ड ने बताया कि आने वाले सप्ताहों में सीमित अनुबंध (कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट) की भी घोषणा की जाएगी, जिसमें फिन एलेन, लाकी फर्ग्यूसन और टिम सिफर्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

न्यूजीलैंड केंद्रीय अनुबंध सूची (2026-27):

टाम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवन कानवे, जैकब डफी, जैक फाल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टाम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

अक्षत रघुवंशी के तूफानी शतक से रीवा जगुआर्स की ऐतिहासिक जीत, जबलपुर 8 विकेट से पस्त

म.प्र. प्रीमियर लीग : जबलपुर का 219 रनों का विशाल लक्ष्य 16.3 ओवर में ध्वस्त; अक्षत रघुवंशी ने खेली 64 गेंदों में 147 रनों की विस्फोटक पारी

इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के 31वें मुकाबले में मंगलवार को क्रिकेट प्रेमियों को रनों का ऐसा सैलाब देखने को मिला, जिसने टी-20 क्रिकेट के कई समीकरण बदल दिए। होल्कर स्टेडियम की दूधिया रोशनी में रीवा जगुआर्स के बल्लेबाजों ने ऐसा कोहराम मचाया कि जबलपुर रायल लायन्स का 218 रनों का विशाल स्कोर भी बौना साबित हो गया। प्लेयर आफ द मैच रहे सलामी बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी के विस्मयकारी और ऐतिहासिक नाबाद शतक (147) की बदौलत रीवा जगुआर्स ने महज 16.3 ओवरों में 2 विकेट खोकर इस अविश्वसनीय लक्ष्य को हासिल कर लिया।

शुरुआती झटकों से उबरा जबलपुर, बाथम-टडा ने रीवा को धोया - इससे पहले, टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर रायल लायन्स की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। रीवा के गेंदबाजों ने कसी हुई लाइन-लेंथ से जबलपुर के शीर्ष क्रम को पूरी तरह झकझोर दिया और महज 56 रनों के योग पर उनके 4 प्रमुख बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इसके बाद कप्तान राहुल बाथम और

रितिक टडा ने मोर्चा संभाला। दोनों ही बल्लेबाजों ने रीवा के गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोलते हुए मैदान के चारों तरफ शानदार शाट खेले। कप्तान राहुल बाथम ने 33 गेंदों पर 4 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 66 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि दूसरे छोर से रितिक टडा ने और अधिक आक्रामक रुख अपनाते हुए महज 30 गेंदों में 6 चौके और 5 छक्के जड़कर 67 रनों की नाबाद पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच हुई 99 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी और अजय रोहेरा के महत्वपूर्ण 49 रनों के दम पर जबलपुर ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 218 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

खिलाड़ी जश्न मनायें पर तय सीमा के अंदर : मैकुलम

लंदन। नाइटक्लब विवाद को लेकर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि खिलाड़ियों को सफलता के बाद जश्न मनाने का अधिकार है पर इस दौरान उन्हें ध्यान रखना चाहिये कि ये एक सीमा के अंदर हो। साथ ही कहा कि किसी भी हाल में व्यवहार खराब न हो। नाइटक्लब कांड में टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन फंसे हैं और इसी कारण दूसरे टेस्ट से भी बाहर कर दिये गये हैं। मैकुलम के अनुसार उनके खिलाड़ी अधिक जिम्मेदारी से फैसला लें और ऐसी कोई हरकत न करें जिससे माहौल खराब हो। मैकुलम ने माना है कि वह भी नाइटक्लब प्रकरण के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में, मैं कोच होने के कारण टीम का प्रभारी हूं और जो भी चीजें ठीक से काम नहीं करतीं, उसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे खिलाड़ियों के लिए हर व्यक्तिगत फैसला नहीं ले सकते। मैकुलम ने अपनी भूमिका को परिभाषित करते हुए कहा, मेरा काम एक ऐसा वातावरण तैयार करना है, जो उन युवा खिलाड़ियों को सहारा दे सके जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर उच्च दबाव और कड़ी निगरानी का सामना कर रहे हैं। वे साल के बारह महीने घर से दूर रहते हैं और इसके साथ आने वाली सभी चुनौतियों का सामना करते हैं। वे चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी जश्न मनाएं, लेकिन उसकी एक सीमा अवश्य हो। साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को इस बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए कि कितना जश्न मनाना ठीक है उन्होंने अत्यधिक जश्न को खतरनाक बताया। मैकुलम ने कहा, मैं ज्यादा (सेलिब्रेशन) में विश्वास नहीं करता।

ऑल इन वन

गुरुवार, 18 जून, 2026
हैदराबाद

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

खाड़ी में तनाव कम हुआ, आपकी जेब को मिलेगी राहत

नई दिल्ली

जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थिति ने खाड़ी देशों में तनाव बढ़ाया था, तब इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ा था। कच्चे तेल, गैस और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के चलते पेट्रोल-डीजल से लेकर दूध और हवाई टिकट तक सब कुछ महंगा हो गया था।

एलपीजी, सीएनजी, फर्टीलाइज़र समेत 10 चीजें हो जाएंगी सस्ती

लेकिन अब जैसे-जैसे यह भू-राजनीतिक संकट खत्म हो रहा है, भारत में महंगाई पर लगाम लगने और कई आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं के दाम घटने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि खाड़ी में शांति का सबसे बड़ा फायदा ऊर्जा क्षेत्र को मिलेगा। भारत अपनी 60 फीसदी एलपीजी और 50 फीसदी प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इन्हीं देशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रोपेन-ब्यूटेन और स्पाट एलएनजी की कीमतें गिरने से घरेलू एलपीजी सिलेंडर 70 से 100 रुपये तक और सीएनजी-पीएनजी 4 से 6 रुपये प्रति किलो तक सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, एलपीजी पर सरकार सब्सिडी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाती है या नहीं, यह देखना होगा। इसके अलावा हवाई सफर भी सस्ता होगा। कच्चे तेल की कीमतें सामान्य होने से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) 10-12 फीसदी सस्ता होगा, जिससे एयरलाइंस कंपनियां हवाई किराए में 8-10 फीसदी की कटौती कर सकती हैं। आपकी रसोई में पहुंचने वाले विदेशी खजूर और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स भी 25 से 30 फीसदी तक सस्ते होंगे, क्योंकि समुद्री नाकेबंदी खत्म होने से इनकी सप्लाई सामान्य होगी। कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरक (यूरिया, फास्फेटिक खाद) के आयात पर लगने वाली लागत 12-15 फीसदी तक कम होगी, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। उद्योगों के लिए प्लास्टिक दाना, स्क्रैप मेटल, इंडस्ट्रियल सल्फर और पेंट्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल भी सस्ता हो जाएगा। युद्ध के दौरान समुद्री जहाजों का भाड़ा और वार रिस्क इंश्योरेंस प्रीमियम 300 फीसदी तक बढ़ गया था, जो अब 30 फीसदी कम होने का अनुमान है। इससे इन उत्पादों की इनपुट लागत घटेगी और वे उपभोक्ताओं के लिए सस्ते हो जाएंगे। अंत में, ईंधन की लागत कम होने से आनलाइन डिलीवरी और लाजिस्टिक्स सेवाओं पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा, जिससे डिलीवरी चार्जेस में 5-8 फीसदी की राहत मिल सकती है। कुल मिलाकर, खाड़ी में शांति भारतीय उपभोक्ताओं के लिए महंगाई से एक बड़ी राहत बनकर आई है।

न्यूज़ ब्रीफ

होंडा की बाइक्स में मिलेगा ई-क्लच तकनीक का खास अनुभव

नई दिल्ली। अपनी वर्ष 2026 के लिए प्रीमियम मोटरसाइकिल श्रृंखला का कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अनावरण किया है। ई-क्लच तकनीक वाली यह बाइक बिना मैन्युअल क्लच दबाए गियर बदलने की सुविधा प्रदान कर राइडिंग को पहले से कहीं अधिक आसान बनाती है। कंपनी ने नई सीबी750 हार्नेट और एक्सएल750 ट्रांसएल्प माडल्स के माध्यम से इस अभिनव तकनीक को भारतीय बाजार में उतारा है।

डोंगली के कुर्ला गांव में प्राकृतिक उद्यान की दुर्दशा

डोंगली, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व सरकार ने मंडल की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्थानीय जनता की सुविधा के लिए बड़ी मात्रा में निधि खर्च कर प्राकृतिक उद्यान, कंपोस्ट शेड और वैकुंठ धाम का निर्माण कराया था। लेकिन मंडल के कुर्ला गांव में ग्राम पंचायत व मंडल अधिकारियों की लापरवाही के कारण प्राकृतिक उद्यान की स्थिति खराब है।

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व शासनकाल में लगाए गए पौधे अब उद्यान में नजर नहीं आ रहे हैं। विशेष अधिकारी द्वारा प्राकृतिक उद्यानों को हरा-भरा बनाए रखने के लिए ग्राम पंचायत अधिकारियों को कड़े आदेश देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप है कि ग्राम पंचायत व मंडल अधिकारी ''कुंभकरण की नींद'' सो रहे हैं।

बंपर पैदावार और आक्रामक खरीद से भरे गोदाम, देश में गेहूं-चावल का रिकार्ड स्टाक

नई दिल्ली

बाजार में गेहूं के तेवर कड़े हो रहे हैं। राजधानी दिल्ली में अप्रैल में जो गेहूं 2550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर था, वह 16 जून को बढ़कर 2700 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया है। कीमतों में आई इस तेजी के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला है निर्यात में जोरदार उछाल। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में जहां देश से महज 6,448 टन गेहूं का निर्यात हुआ था, वहीं अप्रैल 2026 में यह आंकड़ा करीब सात गुना बढ़कर 45,162 टन पर पहुंच गया है। निर्यात की इस तेज रफ्तार ने घरेलू बाजार में कीमतों को समर्थन दिया है।

दूसरा कारण है रिकार्ड तोड़ सरकारी खरीद। चालू फसल वर्ष 2025-26 में अच्छी मानसून बारिश के कारण देश में 12.06 करोड़ टन गेहूं का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। सरकार ने इस साल 3.5 करोड़ टन गेहूं की खरीद की है, जिससे एक जून तक गेहूं का स्टाक 5.34 करोड़ टन के साथ 2021 के बाद अपने पांच साल के उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है।

चावल का भंडार बढ़कर लक्ष्य से पांच गुना ज्यादा - फसल वर्ष 2025-26 में देश में 15.4 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है। एक जून तक सरकारी गोदामों में बिना पिसा हुआ धान मिलाकर चावल का कुल स्टाक 6.84 करोड़ टन के सर्वकालिक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। सरकार ने एक जुलाई तक आरक्षित भंडार का जो लक्ष्य तय किया था, वह महज 1.35 करोड़ टन था। यानी सरकार के पास तय लक्ष्य से पांच गुना से भी ज्यादा चावल का स्टाक मौजूद है। भारत दुनिया के कुल चावल निर्यात में अकेले 40 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। जानकारों का कहना है कि अल नीनो की आशंकाओं के बावजूद, इस महा-स्टाक के दम पर भारत बिना किसी डर के सप्लाई आक्रामक तरीके से जारी रख सकेगा।

सोयाबीन के रकबे में बंपर बढ़त की उम्मीद - इस साल सोयाबीन के रकबे में तेज बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। किसानों और उद्योग जगत के अधिकारियों के मुताबिक, चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची कीमतों और अल नीनो के कारण सामान्य से कम बारिश के अनुमानों ने किसानों को गन्ने और मक्के जैसी अधिक पानी वाली फसलों को छोड़कर इस तिलहन की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीय किसानों ने वर्ष 2025 में 1.2 करोड़ हेक्टेयर में सोयाबीन की बुवाई की थी, उम्मीद है कि इस साल इसका क्षेत्रफल 10 फीसदी तक बढ़ सकता है। पिछले महीने सोयाबीन की कीमतें 7,587 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गईं, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। यह समर्थन मूल्य से काफी ऊपर है।

क्रेटा ने दर्ज की 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री

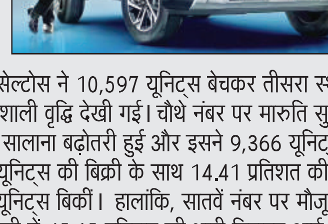

नई दिल्ली। मई 2026 की बिक्री रिपोर्ट ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट को लेकर बाजार की बदलती तस्वीर को उजागर किया है। बीते मई माह में क्रेटा ने 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में 2.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, और इसने शीर्ष स्थान हासिल किया। सभी को पीछे छोड़ते हुए, हुंडई क्रेटा ने इस सेगमेंट में अपनी बादशाहत कायम रखी है। बिक्री सूची में दूसरे पायदान पर मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस रही, जिसने 10,853 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद, किआ सेल्टोस ने 10,597 यूनिट्स बेचकर तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें सालाना आधार पर 74.24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई। चौथे नंबर पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा रही, जिसकी बिक्री में 80.22 प्रतिशत की जबरदस्त सालाना बढ़ोतरी हुई और इसने 9,366 यूनिट्स बेचीं। पांचवां स्थान टोयोटा हाइराइडर को मिला, जिसने 8,664 यूनिट्स की बिक्री के साथ 14.41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। छठे स्थान पर टाटा सिएरा रही, जिसकी कुल 6,606 यूनिट्स बिकीं। हालांकि, सातवें नंबर पर मौजूद टाटा कर्व के लिए पिछला महीना कुछ खास नहीं रहा, जिसकी बिक्री में 45.15 प्रतिशत की भारी गिरावट आई और इसे केवल 1,680 नए ग्राहक मिले। आठवें नंबर पर एमजी जेडएस ईवी ने 1,562 यूनिट्स बेचकर 333.89 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। वहीं, नौवें पायदान पर स्कोडा कुशाक रही, जिसने 103.42 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 1,310 यूनिट्स की बिक्री की। इस सूची में दसवें स्थान पर फाक्सवैगन टाइगुन रही, जिसकी 1,281 यूनिट्स बिकीं और इसमें 13.77 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

भारत-अमेरिका व्यापार नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका अपने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगातार उच्च-स्तरीय व्यापार वार्ता में संलग्न हैं। इन वार्ताओं का उद्देश्य एक व्यापक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना और आपसी व्यापार से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करना है, ताकि दोनों देशों के लिए आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिल सके। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय के अधिकारी नियमित रूप से भारत का दौरा करते हैं और भारतीय वाणिज्य मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करते हैं।

व्यापार संबंधों में नई राह, ग्रीर का भारत दौरा सुलझाएगा उलझनें

इन बैठकों का मुख्य ध्यान एक फ्रेमवर्क समझौते को अंतिम रूप देने और एक बड़े भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने पर होता है। दोनों पक्ष वस्तु व्यापार, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क एवं व्यापार सुविधा, और आर्थिक सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हैं। वार्ता के दौरान एक प्रमुख मुद्दा यूएस ट्रेड एक्ट के सेक्शन 301 के तहत भारत के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है। इस जांच के तहत अमेरिकी सरकार ने भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे भारत एक कानूनी मुद्दा मानता है जिसका व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। भारत इस संबंध में अमेरिकी पक्ष से स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। पूर्व में दोनों देशों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से जुड़े अंतरिम समझौते के प्रारूप पर सहमति व्यक्त की थी। इसके तहत कुछ शुल्कों को हटाने या कम करने पर भी विचार किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापारिक बाधाओं को कम करना था। ये निरंतर वार्ताएं भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत और स्थिर व्यापारिक साझेदारी स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

व्यापार...

प्रगति और आपके नेतृत्व की मैं सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, हमने हमेशा कहा है कि समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दुनिया के अलग-अलग समुद्रों में लाखों भारतीय नाविक समुद्री व्यापार के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। मेरा मानना है कि उनकी सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि ईरान के साथ होने वाले समझौते में नाविकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

10 करोड़ सुरक्षा...

जांच के तीसरे दिन एसआईटी ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि उसकी पड़ताल केवल धनराशि के कथित गबन तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रशासनिक, प्रबंधकीय और निगरानी तंत्र की गहन समीक्षा की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान कई ऐसे बिंदु सामने आए हैं जिनकी अब तक सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं हुई थी। इन्हीं तथ्यों के आधार पर एसआईटी अब यह समझने का प्रयास कर रही है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां कैसे बनीं, जिनमें अनियमितताओं को अंजाम दिया गया। हालांकि वे चौंकाने वाले तथ्य क्या हैं, ये अब तक पता नहीं चल सके हैं। लेकिन सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी दान संग्रह, धनराशि की गणना, रख-रखाव, निगरानी और रिपोर्टिंग से जुड़ी पूरी प्रक्रिया की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

सूत्रों के अनुसार, एसआईटी विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका का भी परीक्षण कर रही है। विशेष रूप से यह देखा जा रहा है कि संवेदनशील व्यवस्थाओं की निगरानी किस स्तर पर होती थी, निर्णय लेने की प्रक्रिया कितनी प्रभावी थी और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की वास्तविक स्थिति क्या थी। जांच एजेंसी यह भी पता लगाने में जुटी है कि किसी शिकायत, संदेह या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर कार्रवाई की व्यवस्था कितनी मजबूत थी और उसका पालन किस हद तक किया गया। माना जा रहा है कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दे सकती है।

कौन था जिम्मेदार, कहां हुई चूक?

एसआईटी की जांच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू जवाबदेही तय करना माना जा रहा है। जांच की दिशा से यह साफ है कि एसआईटी अब केवल यह नहीं पूछ रही कि किसने किया, बल्कि उससे बड़ा सवाल तलाश रही हैयह संभव कैसे हुआ। यही सवाल आने वाले दिनों में कई चौंकाने वाले खुलासों का आधार बन सकता है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कथित अनियमितताओं के पीछे किसी व्यक्ति विशेष की भूमिका अधिक थी या फिर व्यवस्थागत कमजोरियों ने इस स्थिति को जन्म दिया। इसी कारण पूरी प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था को जांच के दायरे में रखा गया है।

सरकार के ...

अब भारत में चांदी आयात करने के लिए डीजीएफटी से अनिवार्य लाइसेंस लेना जरूरी है। हाई टैरिफ और क्वांटिटेटिव कंट्रोल के इस दोहरे वार का तत्काल असर दिखा और महज एक महीने में चांदी का आयात चार-पांच गुना तक घट गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में चांदी के आयात की मात्रा अब पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करेगी कि डीजीएफटी की ओर से कितने लाइसेंस जारी किए जाते हैं। आयात या तो यूएई से तरजीही टैरिफ नियमों के तहत जारी रह सकता है या फिर अन्य देशों से पूरे 15% शुल्क दर पर किया जा सकेगा, लेकिन इसके लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य होगी।रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि सोने पर चांदी जैसे कड़े प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं। इसका कारण यह है कि भारत-यूएई व्यापार समझौते के तहत सोने पर मिलने वाला टैरिफ लाभ बहुत कम है, जिससे व्यापारियों के लिए बड़े पैमाने पर हेरफेर या शॉर्टकट की गुंजाइश नहीं बचती।

ट्रंप-पेज़ेशकियान ...

जो 2015 के ईरान परमाणु समझौते की शर्तों से भी आगे जाती हैं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका को उस समझौते से यह कहते हुए बाहर कर लिया था कि यह ''अब तक का सबसे खराब सौदा'' था। वाशिंगटन में इस समझौते का कड़ा विरोध होने की संभावना है, और यह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिन्हें विवरण सामने आने के बाद देश के मीडिया, विरोधियों और कुछ सहयोगियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

युद्ध विराम, होर्मुज संकट का समाधान और लीक मसौदों पर विवाद

इस समझौते का मुख्य उद्देश्य युद्ध को रोकना और आगे की बातचीत शुरू करना है। समझौते का एक बड़ा हिस्सा युद्ध से पहले की को बहाल करेगा, जिसमें शत्रुता को समाप्त करना, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका-ईरान वार्ता को फिर से शुरू करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। यह जलडमरूमध्य दुनिया के तेल और प्राकृतिक गैस के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसके बंद होने से इतिहास का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हो गया था।

समझौते में इजरायल और ईरान समर्थित मिलिशिया हिजबुल्लाह के बीच लेबनान में जारी लड़ाई को समाप्त करना भी शामिल है। यह इस समझौते के सबसे संवेदनशील हिस्सों में से एक है क्योंकि इजरायल का रुख रहा है कि वह अपनी रक्षा करना जारी रखेगा और लेबनान के बड़े हिस्सों पर अपना कब्जा बनाए रखेगा। ईरान ने कहा है कि समझौते के तहत इजरायल को पीछे हटना होगा, हालांकि लीक हुए संस्करणों में इस वापसी का कोई जिक्र नहीं है। हस्ताक्षर के बाद इस सहमति पत्र की जानकारी पाने वाले एक व्यक्ति और हस्ताक्षर से पहले इसकी प्रति देखने वाले एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि यह काफी हद तक सऊदी स्वामित्व वाले प्रसारक अल अरबिया द्वारा प्रकाशित पाठ से मेल खाता है, जिसने मंगलवार को इसकी रिपोर्ट दी थी। संवेदनशीलता के कारण दोनों ने नाम न छापने की शर्त पर यह बात कही। मध्य पूर्व के दो अन्य अधिकारियों ने भी पुष्टि की कि अल अरबिया और ब्लूमबर्ग द्वारा प्रकाशित संस्करण अंतिम समझौते से काफी हद तक मेल खाते हैं।

व्हाइट हाउस और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने शर्तों को आधिकारिक तौर पर प्रकाशित नहीं किया है और न ही तुरंत सवालों के जवाब दिए हैं। हालांकि, सीएनएन द्वारा समझौते का लीक संस्करण प्रकाशित किए जाने के बाद व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने बिना विस्तार से बताए ऑनलाइन लिखा कि यह वास्तविक समझौते की भाषा को नहीं दर्शाता है। ईरान ने भी आधिकारिक संस्करण जारी नहीं किया है। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने दावा किया कि ब्लूमबर्ग के संस्करण में कुछ हिस्से गायब थे।

उद्धव की ...

कर शिवसेना का अलग गुट बनाया था।

शिवसेना से पहले आप-टीएमसी के 27 सांसद बागी हुए। पिछले 3 महीने के दौरान विपक्षी गुट के 27 सांसदों ने अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा या एन.डी.ए को समर्थन दिया है। इनमें 7 आप के राज्यसभा सांसद और 20 टीएमसी के लोकसभा सांसद हैं।

भाजपा ने किया इनकार: उद्धव खुद तलाशें वजह

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने शिवसेना (यू.बी.टी) में टूट के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने वाले आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा- उद्धव ठाकरे के सांसद कहां जाते हैं, इससे भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। उद्धव ठाकरे को खुद सोचना चाहिए कि उनके सांसद और विधायक उन्हें छोड़कर क्यों जा रहे हैं।बावनकुले ने कहा कि अगर सांसद एकनाथ शिंदे के साथ जा रहे हैं, तो यह शिंदे और उद्धव का आंतरिक मामला है। भाजपा या उसके किसी नेता का इससे कोई संबंध नहीं है। संजय राउत के पैसों के लेन-देन वाले आरोपों पर उन्होंने कहा- यह मान लेना गलत है कि कोई सांसद या विधायक पैसे के लिए दल बदलता है।

राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि बागी सांसदों को 50-50 करोड़ रुपए ऑफर हुए हैं। राउत ने कहा- मेरे पास जानकारी है कि सांसदों को 15-15 करोड़ रुपए पहुंचाए गए हैं और उन्हें 3 चार्टर्ड विमानों से दिल्ली लाया गया है। राउत की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना (यू.बी.टी) के 9 में से सिर्फ 3 सांसद, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और अरविंद सावंत मौजूद रहे। राउत ने कहा कि बाकी सांसदों को खुद सामने आकर अटकलों का खंडन करना चाहिए।

कांग्रेस का आरोप- शाह लोकसभा में अपनी बेइज्जती की भरपाई कर रहे

कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों के सांसदों को भाजपा में शामिल कराने की कोशिश करने और भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा- शाह यह सब 17 अप्रैल, 2026 को लोकसभा में हुई अपनी बेइज्जती की भरपाई के लिए कर रहे हैं, जब वे परिसीमन विधेयकों को पास नहीं करवा पाए थे। रमेश ने कहा- शाह के प्रलोभन ऐसे कई लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, जो सिर्फ दो साल पहले मजबूत भाजपा-विरोधी एजेंडे पर चुने गए थे और अब भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

सपा के 25-26 सांसद ...

इससे पहले राज्य सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सनसनी मचा दी। राजभर ने लिखा कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होगी और राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी सौंपी है। उन्होंने खनन और गोमती रिवर फ्रंट घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि पूरा यूपी इसके मास्टरमाइंड को जानता है, शिकंजा कसने से सपा परेशान है और समूची सपा भाजपा में शामिल होने को तैयार बैठी है। उधर, यूपी के मंत्री मनोज पांडेय ने भी कहा कि सत्ता में रहने पर लोगों को भगाने वाली सपा के साथ आज कोई नहीं रहना चाहता।

सपा का पलटवार: राजभर खुद एक स्कैम हैं

इन दावों पर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सपा विधायक माता प्रसाद पांडेय ने लखनऊ में कहा कि ओम प्रकाश राजभर खुद अपने आप में एक स्कैम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में तानाशाही है और मुख्यमंत्री की भाषा शैली ठीक नहीं है। वहीं सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ने राजभर को दोमुंहा बताते हुए कहा कि वे सिर्फ मंत्री पद पर बने रहने के लिए बयान देते हैं। उन्होंने दावा किया कि सपा का एक भी नेता भाजपा में नहीं जाएगा और 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार बनेगी।

पाकिस्तान में ...

आखिर क्या होता है पीरियड टैक्स?

पीरियड टैक्स वह टैक्स है, जो सैनिटरी पैड, टैम्पोन और मासिक धर्म से जुड़े अन्य उत्पादों पर लगाया जाता है। पाकिस्तान में स्थानीय स्तर पर बनने वाले सैनिटरी उत्पादों पर 18% सेल्स टैक्स लगता था। वहीं आयातित उत्पादों पर 25% अतिरिक्त कस्टम ड्यूटी भी लगती थी। टाइम मैगजीन की रिपोर्ट के अनुसार, इन सभी टैक्स और शुल्कों की वजह से सैनिटरी उत्पादों की कीमत बाजार में 40% तक बढ़ जाती थी।

महिला अधिकार कार्यकर्ताओं का तर्क था कि जिस चीज की जरूरत महिलाओं को हर महीने पड़ती है, उसे लग्जरी सामान की तरह टैक्स करना गलत है। इसी वजह से इसे 'पिंक टैक्स' या 'पीरियड टैक्स' कहा जाने लगा।

पीरियड टैक्स की वजह से कैसी है पाकिस्तान की स्थिति?

महंगे सैनिटरी उत्पादों का सबसे ज्यादा असर गरीब और ग्रामीण इलाकों की महिलाओं पर पड़ता है। यूनिसेफ के आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में सिर्फ 12% महिलाएं ही बाजार में मिलने वाले सैनिटरी पैड या टैम्पोन का इस्तेमाल करती हैं। बाकी अधिकांश महिलाएं पुराने कपड़े या घर में उपलब्ध अन्य विकल्पों का सहारा लेती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि बार-बार इस्तेमाल किए जाने वाले कपड़े अगर ठीक से साफ न हों तो इससे त्वचा संबंधी समस्याएं, रैशेज और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। कई लड़कियों के लिए यह शिक्षा में भी बाधा बन जाता है। पीरियड्स के दौरान पर्याप्त सुविधाएं न होने के कारण वे स्कूल नहीं जा पातीं।

एक लड़की की कहानी बताती है असली समस्या

द गार्जियन की रिपोर्ट में सिंध प्रांत की 15 वर्षीय अजीमा का जिक्र किया गया है। 2022 में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान उसका परिवार बेघर हो गया था। इसी दौरान उसे पहली बार पीरियड्स हुए।

अजीमा बताती है कि उसकी मां ने उसे इस्तेमाल के लिए कपड़े का एक टुकड़ा दिया, क्योंकि सैनिटरी पैड खरीदना संभव नहीं था। इससे उसे रैशेज, बुखार और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। आज भी उसका परिवार कपड़े का ही इस्तेमाल करता है क्योंकि पैड उनके लिए बहुत महंगे हैं।

क्या टैक्स हटने से सब कुछ बदल जाएगा?

संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे ज्यादा लड़कियां स्कूल में बनी रह सकेंगी और महिलाओं के लिए काम करना आसान होगा। हालांकि कई विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ टैक्स हटाना ही पर्याप्त नहीं है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान

बैंक और एसोसिएशन एक सिक्के के दो पहलू : मुरली मनोहर पालोड

महेश बैंक के पदाधिकारियों ने पगड़ी, शॉल एवं मोती माला पहनाकर किया अभिनंदन

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन, जो रिटेलर्स एवं ट्रेडर्स की आवाज़ के रूप में कार्यरत एक गैर-लाभकारी संगठन है, द्वारा हाल ही में नए पदाधिकारियों के चुनाव संपन्न कराए गए। इस अवसर पर बंजारा हिल्स में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में ए.पी. महेश बैंक के शीर्ष पदाधिकारियों ने एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पगड़ी, शॉल एवं मोती माला पहनाकर अभिनंदन किया।

समारोह में ए.पी. महेश बैंक के चेयरमैन सी.ए. मुरली मनोहर पालोड, वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, बैंक के निदेशकगण, प्रोफेशनल डायरेक्टर्स तथा पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, पूर्व वाइस-चेयरमैन लक्ष्मी नारायण राठी एवं पूर्व निदेशक रामप्रकाश भंडारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों से महेश बैंक से जुड़ने की अपील

कार्यक्रम में वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उनका परिचय उपस्थितजनों से कराया।

बैंक के चेयरमैन सी.ए. मुरली मनोहर पालोड ने एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दामोदरदास विजयवर्गीय एवं अन्य पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनका सम्मान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महेश बैंक की पहली शाखा बेगम बाजार में मुख्य रूप से हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन एवं उसके सदस्यों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा कि महेश बैंक और हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन के बीच गहरा संबंध है तथा दोनों एक सिक्के के दो पहलू की तरह हैं। उन्होंने एसोसिएशन के सभी 529 सदस्यों, जो बैंक के शेयरधारक एवं मतदाता भी हैं, से अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं व्यावसायिक खाते महेश बैंक में संचालित करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने सीजीटीएमएसई योजना के अंतर्गत 30 लाख रुपये तक के कोलेटरल-फ्री ऋण का लाभ उठाने की अपील भी की।

बैंक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है : गोविंद नारायण राठी

वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रमेश भाटी का सम्मान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बैंक ने चुनौतियों से उबरते हुए पुनः विकास की गति प्राप्त कर ली है और निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने एसोसिएशन के पदाधिकारियों से बैंक की विकास यात्रा में सहयोग देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बैंक के निदेशक सी.ए. अलका झंवर, अमित लड्डा, दीपक कुमार बंग, देवेंद्र झंवर, कैलाश मंत्री, कविता तोषनीवाल, मनोज लोया, मुकुंदलाल बाहेती, पवन कुमार लोहिया, रूपेश सोनी, विनोद कुमार बंग, सी.ए. वरुण राठी एवं सुमेश कुमार बंग ने एसोसिएशन के अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान किया।

सम्मानित पदाधिकारियों में पुरुषोत्तम मारोटिया (उपाध्यक्ष), अविनाश देवड़ा (महासचिव), कमल किशोर जैन (संयुक्त सचिव), चिमनलाल पंवार (संयुक्त सचिव), दुर्गेश पंवार (कोषाध्यक्ष), प्रकाशचंद राठी (संयुक्त कोषाध्यक्ष) तथा कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक देवड़ा, अमरचंद भाटी, दिनेश कुमार भाटी, गोविंद पंवार, मनीष भाटी, नंदलाल जोशी, नीलेश कुमार मारोटिया, रमेश वायकर एवं कैलाश मंत्री शामिल रहे।समारोह में बताया गया कि महेश बैंक वर्तमान में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं राजस्थान सहित चार राज्यों में फैली 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्य कर रहा है। बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए आधुनिक तकनीक आधारित सेवाओं एवं स्पष्ट भविष्य-दृष्टि के साथ स्वयं को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है। वर्तमान में बैंक का कुल बिजनेस मिक्स 3,066.11 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

सुल्तानशाही वाल्मीकि मंदिर में राजेश परचा और विक्की ढिल्लो का सम्मान

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुल्तानशाही स्थित वाल्मीकि मंदिर में राजेश परचा और विक्की ढिल्लो का सम्मान किया गया। दोनों के अथक प्रयासों से वाल्मीकि समाज के दोमलगुडा स्थित श्मशान वाटिका के विकास के लिए सरकार द्वारा 49 लाख रुपये की राशि आवंटित कराई गई। कार्यक्रम में अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के अध्यक्ष किशनलाल, देवेंद्र राणा, अशोक चिंडालिया, ओम प्रकाश, दीपक चारण, विजेंद्र सिंह (बबला), जोगेंद्र, संजय तुस्सामद, अर्जुन चिंडालिया, रणवीर (रानो), दीपक और पवन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज अत्तापुर ईस्ट शाखा का शुभारंभ

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अत्तापुर ईस्ट शाखा का शुभारंभ अत्तापुर स्थित हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजजनों ने शाखा की सफल गतिविधियों एवं जनसेवा के कार्यों के लिए मंगलकामनाएं कीं।

शाखा के शुभारंभ के उपरांत अधिक मास की सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर अन्न प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य का लाभ 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्म एवं सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष हरिनारायण अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, मानद मंत्री श्रीमती बबीता मित्तल, पवन मित्तल, श्याम अग्रवाल, प्रेरित मित्तल, श्रीमती सुचरीता, आस्था अग्रवाल एवं वंश अग्रवाल सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि अत्तापुर ईस्ट शाखा द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यों का नियमित आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शाखा का उद्देश्य समाज सेवा एवं जनकल्याण की गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाते हुए अधिकाधिक लोगों तक सहायता एवं सहयोग पहुंचाना है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने शाखा के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा एवं धार्मिक आयोजनों के लिए अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया।

राधे-राधे ग्रुप में मिलता है परिवार जैसा अपनापन : अरुण विजयवर्गीय

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा और मानवता को समर्पित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने पूरे समर्पण भाव से सेवा कार्य में भाग लेते हुए जरूरतमंदों की सहायता की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अरुण विजयवर्गीय ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद में केवल सेवा कार्य ही नहीं होते, बल्कि यहां प्रत्येक सदस्य को परिवार जैसा अपनापन और स्नेह मिलता है। उन्होंने कहा कि जब सभी सदस्य एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं और समाजहित के कार्यों में मिलकर योगदान देते हैं, तब संगठन की शक्ति और भी अधिक बढ़ जाती है। यही भावना राधे-राधे ग्रुप को अन्य संस्थाओं से अलग पहचान प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना सबसे बड़े पुण्य कार्यों में से एक माना गया है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना के साथ नियमित रूप से अन्नदान, गौसेवा, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भाग लेकर समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे सेवा कार्यों से न केवल जरूरतमंद लोगों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अनिल धारशुवाले, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, स्वास्ति अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय एवं अरुण विजयवर्गीय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

साथी हाथ बढ़ाना संस्था ने जरूरतमंद परिवारों में वितरित की खाद्य सामग्री

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। साथी हाथ बढ़ाना संस्था की सदस्या सरला अग्रवाल के नेतृत्व में उनके निवास स्थान चिक्कड़पल्ली स्थित मनी साईं रेजिडेंसी में एक बार फिर जरूरतमंद परिवारों के लिए सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस दौरान दैनिक उपयोग की आवश्यक खाद्य सामग्री एवं अनाज से युक्त 15 थैले जरूरतमंद परिवारों को वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित महाराजजी ने शारदा गुप्ता को संकल्प दिलाते हुए पुरुषोत्तम मास की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने यजमान रामगोपाल गुप्ता एवं उनके परिवार सहित उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस सेवा कार्य के लिए सामग्री की व्यवस्था एवं वितरण में रामगोपाल गुप्ता, महेश्वरी गुप्ता (यूएसए), सोहम गुप्ता (यूएसए), स्नेहल गुप्ता (यूएसए), नूपुर नरेन गुप्ता (यूएसए), नींव गुप्ता (यूएसए) तथा अजय-शोभा अग्रवाल (यूएसए) का विशेष आर्थिक योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान कमल गुप्ता एवं अरुण गुप्ता द्वारा उपस्थित सभी लोगों के लिए मिठाई, नमकीन एवं फलों की व्यवस्था की गई, जिसका सभी ने आनंद लिया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य शारदा गुप्ता, कमल गुप्ता, अरुण गुप्ता, सरला दिनेश अग्रवाल, अनिल संघी एवं उज्ज्वल गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित रहकर सेवा कार्य को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

आईआईसीटी में एनआईआईएमएच द्वारा योग जागरूकता व्याख्यान और सीवाईपी प्रदर्शन आयोजित

हैदराबाद, 17 जून 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी), हैदराबाद में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच) द्वारा योग जागरूकता व्याख्यान और सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अधीन एनआईआईएमएच द्वारा आयोजित किया गया।

एनआईआईएमएच के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में संस्थान की टीम ने आईआईसीटी का दौरा किया। टीम में सहायक निदेशक (आयु.) डॉ. गोबिन्द रेड्डी, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी) डॉ. बिस्व रंजन दास, सीनियर रिसर्च फेलो (आयुर्वेद) डॉ. अक्षय तंडले, एल.आई.ए. श्री शीनिवास राव और रिसर्च असिस्टेंट (संस्कृत) डॉ. सत्यब्रत नंदा सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. गोबिन्द रेड्डी ने एनआईआईएमएच का परिचय दिया और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के महत्व पर प्रकाश डाला। आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने आयुष मंत्रालय, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच की योग को बढ़ावा देने की पहलों की सराहना की। डॉ. अक्षय तंडले ने योग जागरूकता व्याख्यान दिया। योगाचार्य शीनिवासुलू और डॉ. सत्यब्रत नंदा ने आईआईसीटी के अधिकारियों व कर्मचारियों को सीवाईपी का सजीव प्रदर्शन कर अभ्यास कराया। इस दौरान योग से जुड़ी सूचनात्मक सामग्री और औषधीय पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन डॉ. बिस्व रंजन दास के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

ट्रम्प हैदराबाद में सड़क के नाम के लायक नहीं

हैदराबाद, 18 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस के नेशनल प्रेसिडेंट और ब्रिटिश पार्लियामेंट में इंटरनेशनल भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित डॉ. अजय अग्रवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नाम पर हैदराबाद में सड़क के नामकरण का कड़ा विरोध किया है।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि ट्रम्प ''इस सम्मान के लायक नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रम्प की नीतियों के कारण भारत समेत पूरी दुनिया अराजकता, आर्थिक संकट और तेल संकट झेल रही है। वह अप्रत्याशित हैं और बार-बार अपने निर्णय बदलते हैं, जो उनके कद के व्यक्ति से अपेक्षित नहीं है। उनके पूर्ववर्तियों की तरह उनमें गरिमा और सम्मान होना चाहिए, उन्होंने कहा।

डॉ. अग्रवाल ने आगे कहा कि ट्रम्प पहले खुद को शांति दूत बताकर नोबेल पुरस्कार की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुरस्कार न मिलने पर दुनिया में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को हटाने और ईरान पर हमले को अत्यधिक निंदनीय बताया। साथ ही दावा किया कि ईरान, ट्रम्प को उसकी शर्तों पर जवाब दे रहा है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेंगे तेलंगाना पब्लिक स्कूल: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और अंतरराष्ट्रीय मानकों से लैस तेलंगाना पब्लिक स्कूल स्थापित करेगी। इन स्कूलों का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं और खेल चैंपियनों को तैयार किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने रंगारेड्डी जिले के मंचाला मंडल के अरुतला गांव में राज्य के पहले 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने इस संस्थान को राज्य में होने वाले व्यापक शैक्षिक सुधारों का एक रोल मॉडल (आदर्श) बताया।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कांच के चमचमाते महलों या रंग-बिरंगी दीवारों में नहीं, बल्कि सरकारी स्कूलों की कक्षाओं में आकार ले रहा है। उन्होंने अरुतला के इस नवनिर्मित तेलंगाना पब्लिक स्कूल को राज्य भर के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समर्पित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा आयोग की सिफारिशों के आधार पर सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को मजबूत कर रही है। उन्होंने गर्व से बताया कि अरुतला स्कूल में अब तक 1,814 छात्र दाखिला ले चुके हैं। यह किसी भी सरकारी स्कूल के लिए बेहद गर्व की बात है कि सीटों की भारी मांग और भारी भीड़ के कारण स्कूल प्रशासन को मुख्य गेट पर नो एडमिशन (दाखिले बंद हैं) का बोर्ड लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने इस स्कूल के शिक्षकों की सराहना की जो निजी कॉर्पोरेट शिक्षण संस्थानों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एस. जयपाल रेड्डी और वे खुद भी सरकारी स्कूलों में ही पढ़े हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि सरकारी संस्थानों में पढ़ाई करना कभी भी शर्म की बात नहीं रही है। उन्होंने छात्रों से खूब मन लगाकर पढ़ने और आईएएस, आईपीएस अधिकारी, राजनेता व जिम्मेदार नागरिक बनकर अपने माता-पिता को समाज में सम्मान दिलाने का आह्वान किया।

शिक्षा क्षेत्र में सरकार की पहलों को रेखांकित करते हुए रेवंत रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना सरकार ने शिक्षा के लिए लगभग 27,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो राज्य के कुल बजट का 8.5 प्रतिशत है। सरकारी स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक नाश्ता, मध्याह्न भोजन , उच्च गुणवत्ता वाली यूनिफॉर्म और एजुकेशनल किट प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल्स' (एकीकृत आवासीय विद्यालयों) की स्थापना का भी जिक्र किया, जहां सभी सामाजिक पृष्ठभूमि के बच्चे एक छत के नीचे एक साथ पढ़ते हैं, जिससे जातिगत भेदभाव को मिटाने में मदद मिल रही है। इसके साथ ही, युवाओं में कौशल विकास और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए 'यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी' और 'यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' की स्थापना की जा रही है।

खेलों के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्कूलों को प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने का केंद्र बनना चाहिए। यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना देश के लिए ओलंपिक पदक विजेता तैयार करने के उद्देश्य से की गई है, और स्कूलों में खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम पहले ही शुरू किए जा चुके हैं।

बिना किसी पार्टी (बीआरएस) का नाम लिए मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि जो राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी लगातार झूठ फैला रहे हैं, वे अगले विधानसभा चुनाव में मुख्य विपक्ष का दर्जा भी खो देंगे। उन्होंने विपक्षी नेताओं को चुनौती दी कि वे खुद अरुतला के तेलंगाना पब्लिक स्कूल का दौरा करें और सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने के सरकारी प्रयासों को अपनी आंखों से देखें।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की याचिका पर हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा दायर पांच आपराधिक याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। मुख्यमंत्री ने इन याचिकाओं के माध्यम से साल 2019 के हुजूरनगर विधानसभा उपचुनाव के दौरान आदर्श चुनाव आचार संहिता के कथित उल्लंघन के आरोप में दर्ज मामलों को खारिज करने की मांग की है।

न्यायाधीश के. सुजाना ने इन याचिकाओं पर विस्तृत सुनवाई की। यह मामला उस समय का है जब ए. रेवंत रेड्डी कांग्रेस पार्टी की ओर से मलकजगिरी लोकसभा क्षेत्र के सांसद थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इस मामले में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के अलावा अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को भी सह-आरोपी बनाया गया है। इनमें मौजूदा राज्य सरकार के मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और पूर्व विधायक नालमाडा पद्मावती रेड्डी के नाम भी शामिल हैं। इन सभी नेताओं पर उपचुनाव के दौरान नियमों की अनदेखी करने का आरोप है।

उल्टी गिनती शुरू: 15 जुलाई से लागू होगा भारत-ब्रिटेन ऐतिहासिक व्यापार समझौता, व्यापार में अरबों का उछाल

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने की तारीख का ऐलान हो गया है। आगामी 15 जुलाई से यह मील का पत्थर साबित होने वाला समझौता पूरी तरह प्रभावी हो जाएगा। हस्ताक्षर के बाद ब्रिटेन के इतिहास में इतनी तेजी से लागू होने वाला यह पहला व्यापार समझौता है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त रूप से घोषणा की है कि 15 जुलाई को भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) अमल में आ जाएगा। दोनों सरकारों द्वारा महीनों की कड़ी मेहनत के बाद इसे रिकॉर्ड समय में लागू किया जा रहा है, ताकि कामकाजी लोगों और व्यवसायों को इस ऐतिहासिक जीत का तुरंत लाभ मिल सके। दोनों देशों की प्रणालियों को पूरी तरह तैयार करने के बाद अब कंपनियों को इसके लिए कमर कसने को कहा गया है।

अरबों का आर्थिक लाभ और शुल्कों में भारी कटौती

लंबे समय के लिहाज से यह समझौता ब्रिटेन की जीडीपी को 4.8 बिलियन पाउंड और भारत की जीडीपी को 5.1 बिलियन पाउंड का बड़ा बढ़ावा देगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में हर साल 25.5 बिलियन पाउंड की भारी बढ़ोतरी होगी। यह भारत द्वारा अब तक लागू किया गया सबसे व्यापक और बड़ा व्यापार समझौता बनने जा रहा है, जिससे दोनों देशों के उद्योगों को जबरदस्त फायदा होगा।

इस समझौते के तहत शुल्कों में व्यापक कटौती की गई है:

व्हिस्की : ब्रिटिश व्हिस्की पर लगने वाला आयात शुल्क 150% से घटकर सीधे 40% रह जाएगा।

ऑटोमोटिव : कारों और वाहनों पर लगने वाला शुल्क कोटा व्यवस्था के तहत 100% से घटकर मात्र 10% हो जाएगा।

कॉस्मेटिक्स : सौंदर्य प्रसाधनों पर लगने वाले 22% तक के शुल्क को पहले ही दिन से या चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा।

दूसरी ओर, ब्रिटेन भी भारत से आने वाले सामानों जैसे कपड़े, जूते और कुछ चुनिंदा खाद्य उत्पादों पर आयात शुल्क में कटौती करेगा। भारतीय उत्पादों के आयात की लागत कम होने से ब्रिटिश व्यवसायों को फायदा होगा, जिसका सीधा मतलब वहां के उपभोक्ताओं के लिए कम कीमतें और बाजारों में अधिक विकल्प होना है।

ब्रिटेन के बिजनेस एंड ट्रेड सेक्रेटरी (व्यापार मंत्री) पीटर काइल ने इस ऐतिहासिक कदम पर कहा: हम भारत के साथ अपने इस ऐतिहासिक व्यापार समझौते को जल्द से जल्द लागू कर रहे हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि दोनों देशों के व्यवसाय तुरंत इसका लाभ उठाएं। इसके तहत ब्रिटेन के 99% टैरिफ और भारत के 90% टैरिफ को उदार (खत्म या कम) कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा: दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए अब व्यापार करना सस्ता, तेज और आसान होने जा रहा है। मैं सभी कंपनियों से आग्रह करता हूं कि वे आने वाले वर्षों में एक-दूसरे के बाजारों में अपनी पहुंच बनाने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। हमारे :48 बिलियन के मौजूदा व्यापारिक संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने की तारीख अब तय हो चुकी है।भारत ने आज तक इतने बड़े पैमाने का कोई दूसरा समझौता लागू नहीं किया है, जिसका अर्थ है कि अन्य वैश्विक बाजारों की तुलना में ब्रिटेन को भारतीय बाजार में तत्काल एक प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल होगी। इस समझौते में पेशेवरों की आवाजाही और सामाजिक सुरक्षा को लेकर भी ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैं। काम के सिलसिले में भारत आने वाले ब्रिटिश नागरिकों और ब्रिटेन जाने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए सामाजिक सुरक्षा के लाभ की अवधि को 36 महीने (3 वर्ष) से बढ़ाकर 60 महीने (5 वर्ष) कर दिया गया है। इस व्यवस्था के तहत पेशेवर इस 5 साल की अवधि के दौरान अपने गृह देश में राष्ट्रीय बीमा योगदान देना जारी रख सकते हैं, और उन्हें मेजबान देश (जैसे भारत में काम करने वाले ब्रिटिश या ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीयों) में दोहरा सामाजिक सुरक्षा कर नहीं देना होगा। यह नियम दोनों देशों के उच्च कुशल पेशेवरों पर समान रूप से लागू होगा जो पहले से मौजूद वीजा मार्गों का उपयोग कर रहे हैं। यह व्यवस्था ठीक वैसी ही है जैसी ब्रिटेन ने कोरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ कर रखी है।इस ऐतिहासिक लाभ को 'यूके-इंडिया डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन एग्रीमेंट' (डीसीसी) के माध्यम से हासिल किया जाएगा, जो मुख्य मुक्त व्यापार समझौते के साथ ही 15 जुलाई को लागू होगा। करों और शुल्कों में इस कटौती का लाभ उठाने के लिए ब्रिटेन के व्यवसायों को वहां के राजस्व विभाग (एचएमआरसी) के साथ पंजीकरण करना होगा, जबकि भारतीय कंपनियों को भारत सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। दोनों सरकारों ने कंपनियों से अपील की है कि वे आने वाले कुछ दिनों का उपयोग पंजीकरण करने और इस सौदे का पूरा लाभ उठाने की तैयारियों के लिए करें।

तेलंगाना सरकार का बड़ा फैसला

बिजली कर्मचारियों के डीए में 1.621 फीसदी की बढ़ोतरी 70,000 से अधिक स्टाफ को मिलेगा लाभ

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है। सरकार ने राज्य के बिजली निगमों के कर्मचारियों, कारीगरों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में 1.621 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। सरकार के इस फैसले से कुल 70,804 बिजली कर्मियों और पेंशनधारकों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

विद्युत सौधा में ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान यह अहम निर्णय लिया गया। इस बढ़ोतरी के बाद अब बिजली कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 17.651 प्रतिशत से बढ़कर 19.272 प्रतिशत हो गया है। बढ़ा हुआ डीए इसी साल 1 जनवरी से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू माना जाएगा। डीए में की गई इस वृद्धि से राज्य सरकार की तिजोरी पर हर महीने लगभग 9.35 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा।

राज्य के ऊर्जा क्षेत्र के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बिजली कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस साल 27 मार्च को राज्य में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचते हुए 18,548 मेगावाट दर्ज की गई थी, जबकि 13 मार्च को बिजली की खपत 341 मिलियन यूनिट को छू गई थी। इस भीषण और अभूतपूर्व मांग के बावजूद बिजली विभाग के कर्मचारियों ने पूरे राज्य में बिना किसी रुकावट के निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की, जो बेहद सराहनीय है।राज्य में बिजली की बढ़ती खपत को देखते हुए उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मजबूत और दीर्घकालिक योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि साल 2035-36 तक राज्य में बिजली की अधिकतम (पीक) मांग बढ़कर 34,137 मेगावाट और वार्षिक बिजली खपत 152,626 मिलियन यूनिट तक पहुँचने का अनुमान है। सरकार अभी से ही इस बढ़ते बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रही है।

आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री ने ट्रांसको , जेनको, एसपीडीसीएल और एनपीडीसीएल के शीर्ष अधिकारियों को पूरी तरह हाई अलर्ट पर रहने की हिदायत दी है।

उन्होंने निर्देश दिया कि भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण यदि कहीं भी बिजली आपूर्ति बाधित होती है, तो उसे तुरंत युद्ध स्तर पर बहाल किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने मानसून के दौरान होने वाली संभावित विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी एहतियाती और सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आज रात संपन्न हुई इस समीक्षा बैठक में ऊर्जा विभाग और सभी बिजली उपयोगिताओं के कई वरिष्ठ अधिकारी व आला अफसर मौजूद रहे।

अर्जुन गैंग की जांच कर रही एसआईटी को मिली भाई की 3 दिन की रिमांड

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ बयूरो): धनी परिवारों के नाबालिगों, लड़कियों और महिलाओं को निशाना बनाकर लाखों रुपये की उगाही करने वाले कोदुरी चंद्रशेखर आजाद उर्फ अर्जुन कुमार के गिरोह की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है।

मुख्य आरोपी अर्जुन को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। इसी मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए एसआईटी के अधिकारियों ने अर्जुन के भाई राजीव कुमार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया और अदालत से उसकी तीन दिन की पुलिस हिरासत हासिल की है। जांचकर्ताओं ने राजीव का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर पीड़ितों को जाल में फंसाने और उनसे पैसे वसूलने के लिए किया जाता था। साइबर और फॉरेंसिक विशेषज्ञ अब फोन से डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने में जुटे हैं, जिसमें संवेदनशील वीडियो, चैट और तस्वीरें होने की बात कही जा रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बुधवार को राजीव की कस्टडी खत्म होने के बाद उसके कबूलनामे के आधार पर कुछ और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

यह गिरोह खुद को बेहद अमीर और रसूखदार व्यक्ति के रूप में पेश करता था और जुड़वां शहरों (हैदराबाद-सिकंदराबाद) के कई संभ्रांत परिवारों को ब्लैकमेल कर पैसे वसूलता था।

पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार द्वारा इस मामले की विशेष जांच के लिए एक अनन्य एसआईटी के गठन के बाद, अब पीड़ित खुलकर सामने आने लगे हैं। एसआईटी में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ भरोसा महिला सुरक्षा विंग और शी टीम्स के परामर्शदाता भी शामिल हैं, जो पीड़ितों की गोपनीयता और प्राइवेसी का पूरा ध्यान रखते हुए उनके बयान दर्ज कर रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एक पीड़ित के परिवार के सदस्य ने कहा, हमारा मामला बेहद संवेदनशील है। हम कमिश्नर सज्जनार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जो खुद इस जांच की निगरानी कर रहे हैं। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि नाबालिगों की जिंदगी से खेलने वाले इन बदमाशों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

सेवा ही मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म है : उमा डालमिया

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उमा डालमिया ने कहा कि सेवा ही मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। जरूरतमंद और असहाय लोगों की सहायता करने से आत्मिक संतोष प्राप्त होता है तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।उन्होंने कहा कि अन्नदान को हमारे शास्त्रों में महादान की संज्ञा दी गई है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे पुण्यकारी कार्यों में से एक माना गया है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निष्ठा और समर्पण के साथ निरंतर सेवा कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे सेवा कार्यों से लोगों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है और जरूरतमंदों को संबल मिलता है।कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया तथा सभी ने सेवा कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर जनकल्याण के कार्यों में सहयोग करना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंच सके। इस अवसर पर उमाकांत अग्रवाल, उमा अग्रवाल, उमा डालमिया, तेजप्रकाश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और अन्नदान सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई।

जन सेवा संघ की समीक्षा बैठक संपन्न, वीके सिंह ने संगठन सशक्तिकरण पर दिया जोर

हैदराबाद, 17 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ की बैठक सोमवार को प्रेरणास्रोत वीके सिंह (आईपीएस वीआरएस, पूर्व डीजी जेल तेलंगाना) की उपस्थिति और संचालन समिति संयोजक डीडी तिवारी की अध्यक्षता में हुई। कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी।

बैठक में केंद्रीय व अन्य समितियों के कार्यों की समीक्षा हुई। चिकित्सा समिति को नुमाइश मैदान में मछली प्रसाद वितरण शिविर की सफल सेवा के लिए बधाई दी गई। आजीवन सदस्यों के सम्मेलन के आयोजन पर भी केंद्रीय समिति की सराहना हुई।

संरक्षण समिति में सदस्य संख्या बढ़ाने, समस्या निवारण समिति की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और छठ पूजा घाट निर्माण तेज करने पर चर्चा हुई। छठ पूजा संयोजक आरपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष आयोजन अधिक भव्य होगा।

अनुशासन समिति ने राजेश चौबे से संबंधित विषय के शीघ्र निपटारे की बात कही। प्रोटोकॉल संयोजक श्रीकांत पांडेय ने भविष्य की गतिविधियों के लिए नियमावली लाने की जानकारी दी। स्पोर्ट्स कमेटी एक माह में आयोजन करेगी। मीडिया कार्य बिनीत सिंह देखेंगे।

बैठक में उत्तराखंड निवासी प्रिया शर्मा ने संघ से जुड़ने की इच्छा जताई। वरिष्ठ सदस्य केएल श्रीनिवास राव ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को ज्ञापन देने का सुझाव दिया। अध्यक्ष बिश्वजीत सिंह ने सदस्यता अभियान पर जोर दिया।

अपने संबोधन में वीके सिंह ने कहा कि संगठन को इतना सशक्त बनाना है कि जन समस्याएं सरकार तक पहुंचें और त्वरित समाधान हो।

बैठक में वीके सिंह, डीडी तिवारी, बिश्वजीत सिंह, एसए खान, सुशील श्रीवास्तव, श्रीकांत पांडेय, सीताराम ठाकुर, केडी चौबे, राधेश्याम राय यादव, बिनीत सिंह, एलएम चौधरी, मदनलाल रावल, केएल श्रीनिवास राव, एके मिश्रा, गोविंद तिवारी, आरपी सिंह, सौरभ तिवारी, श्रवण कुमार, श्याम शाह, मोहम्मद मुनव्वर, परवेज खान, सुबोध कुमार सिंह, राजेश शर्मा, प्रिया शर्मा, दुर्गानंद सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.